ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष- 14, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 324 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल

30 मई 2026 शनिवार

आज का मौसम

40.6 अधिकतम

25.6 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

अखबारों की हिंदी पत्रकारिता को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से खतरे की धारणा गलत

आलोक मेहता

पद्मश्री, एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष

भारतीय पत्रकारिता में हर युग में चुनौतियां और उपलब्धियां रही हैं। यह धारणा गलत है कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया आने से हिंदी की पत्रकारिता के लिए गंभीर चुनौतियां और समस्याएं आई हैं। सच तो यह है कि मीडिया के विभिन्न माध्यम एक दूसरे के पूरक भी हैं। हिंदी और भारतीय भाषाओं के बाहुल्य वाले भारतीय शहरों से लेकर गांव तक सूचना, समाचार, विचार पढ़ने, सुनने और देखने की भूख कम होने के बजाय बढ़ती गई है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ही क्यों, अब तो सोशल मीडिया भी बड़े पैमाने पर लोगों के बीच लोकप्रिय हुआ है।

यह अवश्य कहा जा सकता है कि समय के साथ हिंदी पत्रकारिता में भी कई तरह के बदलाव आए हैं। तिलक और गणेश शंकर विद्यार्थी युग वाली पत्रकारिता की अपेक्षा वर्तमान परिप्रेक्ष्य में नहीं की जा सकती। लेकिन आधुनिक हिंदी पत्रकारिता की दृष्टि से 70 के दशक से संपादकों और पत्रकारों ने सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक जागरुकता लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय, मनोहर श्याम जोशी, राजेन्द्र माथुर, प्रभाष जोशी और हरिवंश जैसे संपादकों ने हिंदी के अखबारों के पाठकों के साथ संपूर्ण सामाजिक, राजनीतिक व्यवस्था को प्रभावित किया। नवभारत टाइम्स, हिंदुस्तान, नई दुनिया, जनसत्ता, दैनिक भास्कर, राजस्थान पत्रिका और प्रभात खबर जैसे दैनिक अखबार राजधानी दिल्ली से आगे बढ़कर विभिन्न हिंदी भाषी प्रदेशों में भी निरंतर अपनी छाप छोड़ते रहे। राजेन्द्र माथुर जब 1982 में नवभारत टाइम्स के संपादक बनकर दिल्ली आए तो उन्होंने कुछ ही सप्ताह बाद एक समारोह में कहा था कि हिंदी का कोई अखबार केवल दिल्ली या मुंबई से प्रकाशित होने से राष्ट्रीय नहीं कहा जा सकता। वह तभी राष्ट्रीय कहला सकता है जब देश के विभिन्न राज्यों में उसके संस्करण हों। अज्ञेय ने भी 1977 में नवभारत टाइम्स के संपादक बनने पर दिल्ली, मुंबई के अलावा बिहार की राजधानी पटना से अखबार का संस्करण निकालने की इच्छा व्यक्त की थी। लेकिन दो वर्ष के संक्षिप्त कार्यकाल के कारण वह सपना पूरा नहीं हुआ। माथुर साहब के आने के बाद लखनऊ, जयपुर, पटना के संस्करण निकले। इसी तरह जब मुझे दैनिक हिंदुस्तान का संपादक बनने का अवसर मिला, पटना के अलावा लखनऊ यानी उत्तर प्रदेश के संस्करण निकालने के लिए प्रबंधन तैयार हुआ। इसी तरह हरिवंशजी ने प्रभात खबर संभालने के बाद इसे झारखंड और बिहार में प्रतिष्ठित अखबार बना दिया। जनसत्ता दिल्ली के अलावा मुंबई और कोलकाता से प्रकाशित हुआ। दिलचस्प बात यह भी रही कि राजस्थान पत्रिका जैसे जयपुर के अखबार ने कोलकाता के अलावा दक्षिण भारत में हैदराबाद और बंगलौर जैसे शहरों में हिंदी पाठकों के लिए संस्कारण निकाले। इस दृष्टि से हिंदी पत्रकारिता ने अपनी गुणवत्ता से व्यापक स्तर पर पाठकों में अपनी पहचान बनाई। इसलिए इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से पहले हिंदी अखबारों की प्रगति को उपलब्धि की श्रेणी में रखा जा सकता है।

हिंदी पत्रकारिता दिवस

न्यूज चैनल्स के बाद भी बढ़ते गए अखबारों के पाठक

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया यानी टेलीविजन के समाचार चैनल आने से हिंदी अखबारों की प्रसार संख्या कम नहीं हुई बल्कि अधिकृत आंकड़ों के अनुसार भी इनके पाठक बढ़ते गए। मेरा यह मानना है कि रेडियो या टेलीविजन पर कोई खबर देखने के बाद सामान्य जनता इन्हें विस्तार से देखने, पढ़ने और उस पर होने वाली टिप्पणियों के लिए अखबार या पत्रिका पढ़ती है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के आने से पहले भी दैनिक अखबारों में रंगीन फोटो तथा आधुनिक डिजाइन के आकर्षक प्रस्तुतीकरण के प्रयास होने लगे थे। अन्यथा 70 के दशक के पहले भारत ही नहीं, ब्रिटेन जैसे पश्चिमी देश में भी अखबारों में रंगीन फोटो नहीं छपते थे। इसलिए यह नहीं कहा जा सकता है कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया आने पर हिंदी अखबारों की डिजाइन और परिशिष्ट में रंगीन फोटो छपने लगे। रविवारीय संस्करण कुछ हद तक पत्रिका की कमी भी पूरी करने लगे।

खोजी रिपोर्ट के लिए संस्थानों को अधिक खर्च भी करना पड़ेगा... पेज - 8 पर जारी

न्यूज विंडो

दिल्ली में इंडिगो फ्लाइट की हुई इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली। खराब मौसम और कम दृश्यता के कारण दिल्ली में इंडिगो की फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग करवानी पड़ी। इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई 6474 सुबह अपने निर्धारित समय 7.30 बजे जम्मू के लिए रवाना हुई थी। तय शेड्यूल के मुताबिक इसे सुबह 8.30 बजे जम्मू में लैंड करना था। लेकिन जम्मू पहुंचने से कुछ समय पहले ही पायलट को वहां के प्रतिकूल और खराब मौसम की जानकारी मिली। खराब दृश्यता के कारण जम्मू में सुरक्षित लैंडिंग संभव नहीं थी। यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए पायलट ने विमान को तुरंत दिल्ली डाइवर्ट करने का फैसला किया, जहां विमान की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई।

चमोली में 400 मीटर गहरी खाई में गिरी कार, 3 की मौत

देहरादून। उत्तराखंड के चमोली जिले में सुबह लोहाजग मोटर मार्ग के ल्वाणी के पास ईको कार 400 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। उक्त वाहन में देहरादून में इलाज के दौरान मृत व्यक्ति का शव लेकर परिजन गांव जा रहे थे। राहत एवं बचाव कार्य किया गया। वाहन में सवार तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई। तीन अन्य बुरी तरह घायल हैं। वाहन देहरादून से बांक गांव आ रहा था। घटना शनिवार सुबह 4 बजे की बताई जा रही है। घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र देवाल ले जाया गया है। एयर एम्बुलेंस से देहरादून ले जाने की तैयारी चल रही है।

मकान निर्माण की खुदाई में मिला 12 किलो का जिंदा बम

जबलपुर। शहर से सटे गदेरी गांव में मकान निर्माण के दौरान खुदाई में 12 किलो वजनी जिंदा बम मिलने से हड़कंप मच गया। खुदाई कर रहे मजदूर घबरा गए और उन्होंने काम बंद कर दिया। इसी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस ने इसे सुरक्षित तरीके से मौके से हटाकर सेना के हवाले कर दिया। खुदाई में जो बम मिला उसे यूएक्सओ बम कहा जाता है, यह 50 मीटर तक टारगेट को खत्म कर सकता है। खास बात यह है कि जिस जगह जमीन के अंदर यह बम बरामद हुआ वो आयुध निर्माणी फैक्ट्री खमरिया से 6 किमी दूर बताया गया है।

म्यांमार के राष्ट्रपति आज से चार दिन के भारत दौरे पर

नई दिल्ली। म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग आज से 3 जून तक भारत दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह बोधगया, दिल्ली और मुंबई का दौरा करेंगे तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात करेंगे। दोनों देशों के बीच व्यापार, कनेक्टिविटी, सीमा सुरक्षा और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने पर चर्चा होगी। इस दौरे का एक बिजनेस वाला हिस्सा भी है, जहां इस बात पर जोर दिया जाएगा कि दोनों देश मिलकर अपने आर्थिक संबंधों को कैसे मजबूत कर सकते हैं।

टीवी चैनलों पर एक घंटे में 12 मिनट ही विज्ञापन की अनुमति

नई दिल्ली। प्रति घंटे 12 मिनट तक विज्ञापनों के प्रसारण को सीमित करने वाले ट्राई के नियमों को दिल्ली हाई कोर्ट ने बरकरार रखा है। कोर्ट ने कहा कि संविधान सार्वजनिक संसाधनों के असीमित उपयोग और लाभप्रदता की गारंटी नहीं देता है। अदालत ने फैसला सुनाया कि ट्राई ने विज्ञापनों के लिए प्रति घंटे 10+2 मिनट की समय सीमा तय करते समय अपने वैधानिक अधिकार क्षेत्र के भीतर काम किया।

द्विशा को चाहिए न्याय... अब मां-बेटे बताएंगे- फांसी के फंदे से कैसे उतारा

गिरिबाला से सवाल - आपको गिरफ्तारी का डर क्यों था, जज होकर भी बेटे को फरार करवाया?

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एक्ट्रेस द्विशा शर्मा की मौत के मामले में सीबीआई ने उनकी सास रिटायर्ड जज गिरिबाला से सघन पूछताछ शुरू कर दी है। गिरिबाला से पूछताछ के लिए सीबीआई ने 50 से ज्यादा सवाल तैयार किए हैं। शुरुआती पूछताछ में सीबीआई अफसरों ने सवाल किया कि आप जज रही हैं, कानून जानती हैं। जब आपकी कोई गलती नहीं थी तो आपने एफआईआर से पहले ही अग्रिम जमानत की अर्जी क्यों लगाई?

इसके अलावा बेटे समर्थ को फरार होने के लिए क्यों कहा? सूत्रों के अनुसार दोनों सवालों पर पूर्व जज पहले चुप रहीं। बाद में उन्होंने माना कि यह गलती थी। उन्हें अंदाजा नहीं था कि इससे उन पर ही संदेह और मजबूत हो जाएगा। शुक्रवार को गिरिबाला और उनके बेटे समर्थ को भोपाल कोर्ट में पेश किया गया था। सीबीआई के वकील ने कोर्ट को बताया कि समर्थ जांच में सहयोग नहीं कर रहा है। दोनों को आमने-सामने बैठाकर कुछ सवाल पूछने हैं। इसके अलावा उन्हें साथ ले जाकर कुछ सबूत भी जब्त करने हैं। इस पर कोर्ट ने गिरिबाला और समर्थ को पांच दिन की सीबीआई रिमांड पर है।

समर्थ ने बयान दिया है कि उसने ही द्विशा को फंदे से उतारा था, जबकि मां गिरिबाला ने फंदे की गांठ खोली थी। अब सीबीआई दोनों मां-बेटे को घर ले जाकर पूरे घटनाक्रम का रिक्रिएशन करेगी। सीबीआई पहले ही

रिटायर्ड जज के घर का मुआयना कर चुकी है और दोनों के शुरुआती बयान भी दर्ज कर चुकी है। अब उन बयानों का वैज्ञानिक विश्लेषण कर क्रॉस चेक और वेरिफिकेशन करेगी। शुरुआत में दोनों से अलग-अलग पूछताछ होगी। इसके बाद जिन सवालों के जवाबों में विरोधाभास मिलेगा, उन्हें आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की जाएगी।

द्विशा की 80 किलो की डमी

सीबीआई इस हाई-प्रोफाइल केस के हर एक पहलू का वैज्ञानिक और फोरेंसिक विश्लेषण करने जा रही है। मुख्य आरोपी समर्थ ने अपने बयान में दावा किया था कि उसने द्विशा को फंदे से उतारा था और मां गिरिबाला ने फंदे की गांठ खोली थी। इस पहेली को सुलझाने के लिए सीबीआई आरोपियों को उसी भोपाल स्थित निवास पर ले जाएगी, जहां 3डी कैमरों से मैपिंग की गई थी। वहां 80 किलो वजनी (द्विशा के वजन के बराबर) डमी पुतले को फंदे पर लटकाकर पूरा घटनाक्रम दोहराया जाएगा। गिरिबाला सिंह को डमी लिगेचर (फंदे की रस्सी/कपड़ा) की गांठ को दोबारा उसी तरह खोलकर दिखाना होगा, जैसा उन्होंने उस रात करने का दावा किया है। जिस बेल्ट से फंदा लगाने की बात कही जा रही है, सीबीआई फोरेंसिक लैब में उसकी मजबूती की जांच करेगी कि क्या वह बेल्ट सचमुच उतना वजन झेलने में सक्षम थी या कहानी कुछ और है।

सवाल-दर-सवाल

सूत्रों के अनुसार जांच एजेंसी ने पहले से तैयार लिस्ट में से तीखे सवाल किए हैं। इनमें से से कुछ पर दोनों आरोपियों ने चुप्पी साध रखी है। गिरिबाला से पूछा गया की एसआईटी की तरफ से नोटिस जारी किए जाने के बावजूद आप पेश क्यों नहीं हुईं? इसके अलावा - क्या आपने जानबूझकर एसआईटी और बाद में सीबीआई की पूछताछ से बचने की कोशिश की? क्या आपने मामले से जुड़े कोई दस्तावेज, चैट, कॉल रिकॉर्ड या अन्य सुबूत छिपाए? क्या आप अपने बयानों और अब तक एकत्र किए गए डिजिटल सुबूतों के बीच अंतर को बता सकती हैं? हाईकोर्ट ने टिप्पणी की कि एफआईआर दर्ज होने के दिन ही अग्रिम जमानत मंजूर कर दी गई थी। न्यायालय की इस टिप्पणी पर आपकी क्या प्रतिक्रिया है?

40 साल की सैन्य सेवा

गार्ड ऑफ ऑनर के साथ सीडीएस अनिल चौहान की विदाई

नईदिल्ली, एजेंसी

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान ने चार दशकों से भी ज्यादा समय की सैन्य सेवा के बाद औपचारिक रूप से विदाई ले ली है। उन्होंने अपने कार्यकाल को बहुत संतोषजनक और शानदार बताया। इससे पहले दिन में नई दिल्ली के साउथ ब्लॉक के लॉन में उन्हें औपचारिक 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। यह अवसर देश के सर्वोच्च सैन्य अधिकारी के तौर पर उनके कार्यकाल के समापन का प्रतीक था। गार्ड ऑफ ऑनर के बाद जनरल चौहान नेशनल वॉर मेमोरियल गए, जहां उन्होंने देश की सेवा करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

यूपी-बिहार में आंधी-बारिश से 48 मौतें सहारनपुर में गाड़ियां बहीं, ओले भी गिरे

जयपुर/लखनऊ/पटना, एजेंसी

देश में गर्मी के बीच 15 से ज्यादा राज्यों में प्री-मानसून बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। बिहार में पिछले 24 घंटे में आंधी-बारिश और बिजली गिरने से 17 लोगों की मौत हुई है। पटना में बारिश के चलते 4 फ्लाइट डायवर्ट की गईं, जबकि 18 फ्लाइट लेट रहीं। इससे करीब 500 से ज्यादा यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। आज प्रदेश के 25 जिलों में बारिश की संभावना है।

उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे में आंधी-तूफान की वजह से 31 लोगों की मौत हो गई है। सहारनपुर में भारी बारिश के बाद पहाड़ी से तेज बहाव के साथ पानी नीचे आ गया। इससे इनोवा-ट्रैक्टर समेत 10 गाड़ियां बह गईं। आज भी सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट है। राजस्थान में आज 30 जिलों में आंधी के साथ

ओले गिर सकते हैं। एक दिन पहले चूरू, हनुमानगढ़, बीकानेर, सीकर समेत 9 जिलों में तापमान 10 डिग्री तक गिर गया। पंजाब के पठानकोट में शनिवार सुबह ओले गिरे हैं। वहीं, मोहाली में तेज बारिश हुई।

मानसून 7 दिनों में केरलम पहुंचेगा : मौसम विभाग ने बताया कि मानसून अगले 7 दिनों में केरलम पहुंच सकता है। हालांकि विभाग ने इस साल मानसून के सामान्य से कमजोर रहने का अनुमान भी जताया है।

दोनों पक्ष परमाणु कार्यक्रम पर सहमति के करीब!

स्थायी समझौते के लिए ईरान को 300 अरब डॉलर की भरपाई का प्रस्ताव

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित 60 दिन के युद्धविराम समझौते की शर्तों में ईरान के लिए 300 अरब डॉलर यानी करीब 28.5 लाख करोड़ रुपए के फंड और अमेरिकी कंपनियों के निवेश का प्रस्ताव शामिल है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, एक ईरानी अधिकारी ने इसे रीकंस्ट्रक्शन प्रोग्राम बताया। उन्होंने कहा कि अंतिम समझौते पर हस्ताक्षर होने पर ईरान को यह आर्थिक मदद देने का वादा किया जाएगा। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि दोनों पक्ष परमाणु कार्यक्रम पर सहमति के करीब पहुंच गए हैं। ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा और उसके एनरिच्ड यूरेनियम को नष्ट किया जाएगा। हालांकि, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने इस दावे को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि परमाणु मुद्दे पर कोई बातचीत नहीं हो रही है। साथ ही,

ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी ने भी सूत्रों के हवाले से बताया कि समझौते के ड्राफ्ट में परमाणु सामग्री को नष्ट करने जैसी कोई शर्त शामिल नहीं है।

ट्रम्प ने कहा कि संभावित समझौते के बाद अमेरिका नौसैनिक नाकेबंदी हटाएगा और होर्मुज स्ट्रेट में किसी तरह का टोल नहीं लगेगा। अगर ओमान ने ईरान की टोल वसूली व्यवस्था का साथ दिया, तो शामिल देशों, कंपनियों और लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उधर ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा कि तेहरान सिर्फ कार्रवाई पर भरोसा करता है।

मेट्रो एंकर

पिछले दो हफ्तों का आंकड़ा... सरकार ने की है इम्पोर्ट ड्यूटी में भारी बढ़ोतरी

लोगों ने की सोना खरीदने से तौबा! बिक्री में 70 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली. एजेंसी

सोने के आयात को कम करने के लिए सरकार ने हाल में इंपोर्ट ड्यूटी में भारी इजाफा किया था। इससे देश में सोने की बिक्री में भारी गिरावट आई है। इंडस्ट्री के अनुमानों के मुताबिक 27 मई को खत्म हुए पखवाड़े में सोने की डिमांड गिरकर 7.5 टन रह गई है जबकि एक साल पहले यह करीब 25 टन थी। सरकार ने 13 मई को सोने पर आयात शुल्क यानी इंपोर्ट ड्यूटी 6 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी कर दी थी।

ईटी एक रिपोर्ट में इंडिया बुलियन एंड जूलर्स एसोसिएशन के नेशनल सेक्रेटरी सुरेंद्र मेहता के हवाले से बताया गया है कि सोने पर इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाए जाने के बाद डिमांड में 70 फीसदी गिरावट आई है। उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा मार असंगठित कारोबार पर पड़ी है जो कुल ट्रेड का करीब 65 फीसदी है। देश में सोने की सालाना खपत 800 से 850 टन है। शुक्रवार को मुंबई के स्पॉट मार्केट में 999 शुद्धता वाला सोना 1.57 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर कर रहा था। इसमें जीएसटी शामिल नहीं है। आईबीजेए के मेहता ने कहा कि सोने पर आयात शुल्क बढ़ाए जाने के अलावा पेट्रोल और डीजल की कीमत तथा खाने-पीने की चीजों की कीमत बढ़ोतरी से भी उपभोक्ताओं की धारणा प्रभावित हुई है क्योंकि वे अभी सोने नहीं खरीदना चाहते हैं। ड्यूटी बढ़ाए जाने के बाद सोने पर प्रभावी टैक्स 9.18 फीसदी से बढ़कर 18.45 फीसदी हो गया है। रुपये की गिरावट,

कच्चे तेल की बढ़ी हुई कीमत और दुनिया के कई हिस्सों में बढ़ते तनाव को देखते हुए सरकार ने सोने पर आयात शुल्क में बढ़ोतरी की थी।

मोदी की अपील का असर: गोल्ड जूलरी रिटेल चेन जॉयलुक्कास के चेयरमैन जॉय अलुक्कास का कहना है कि सोने की मांग में कमी के पीछे कई कारण हैं। उन्होंने कहा केवल इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ने के कारण ही सोने की डिमांड प्रभावित नहीं हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोना खरीदने से एक साल तक परहेज करने की अपील का भी असर पड़ा है। जॉयलुक्कास की डिमांड में 35 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई है। अभी यह साफ नहीं है कि इसमें आगे और गिरावट आएगी या नहीं।

अधिक मास के कारण परहेज

रिपोर्ट के अनुसार अभी सोना लोगों की प्राथमिकता सूची में नहीं है। साथ ही यह अधिक मास का समय है और इस दौरान लोग कोई भी बहुमूल्य चीज खरीदने से परहेज करते हैं। सबसे बड़ी हैरानी की बात यह है कि गोल्ड के लिए इनवेस्टमेंट डिमांड में भी गिरावट आई है। जूलर्स का कहना है कि पहली तिमाही में सोने की मजबूत मांग थी लेकिन दूसरी तिमाही में इसमें गिरावट आ सकती है। मार्च तिमाही में भारत में बार और कॉइन की डिमांड पिछले साल की तुलना में 34 फीसदी तेजी के साथ 62.3 टन रही।

फिर बदला मौसम... आसमान पर छाए राहत के बादल...

भोपाल। मौसम विभाग की मानें तो 3 दिन, यानी 31 मई और 1-2 जून को प्रदेश में कहीं ओले गिरेंगे तो कहीं तेज आंधी के साथ बारिश हो सकती है। 31 मई को अधिकांश जिलों में आंधी-बारिश की चेतावनी जारी की गई है। 1-2 जून को भी ऐसा ही मौसम रहेगा। भोपाल में 14 साल में 7 बार नौतपा के दौरान बारिश दर्ज हुई, जबकि 2 बार बूंदाबांदी हुई। इस बार शुरुआत में ही बूंदाबांदी हो गई। 2018 और 2019 में सबसे ज्यादा तपिश रही, जब औसत तापमान 43 से ऊपर पहुंचा था। मौसम विभाग ने 30 मई से 2 जून तक के लिए मौसम का फोरकास्ट जारी किया है। इसके अनुसार, शनिवार को आंधी, बारिश का अलर्ट है। वहीं, कुछ जिलों में लू भी चलेगी। 31 मई से हीटवेव का अलर्ट नहीं है।

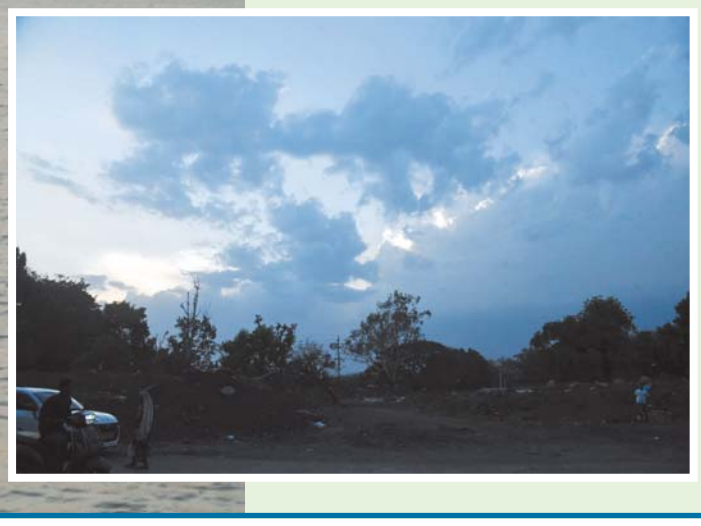

शहर के कई इलाकों में बूंद-बूंद पानी को तरसे लोग

जलसंकट : टैंकरों के भरोसे हजारों लोग, दूर से ला रहे पानी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी भोपाल, जिसे झीलों की नगरी कहा जाता है, इन दिनों पानी के गंभीर संकट से जूझ रही है। खासकर कोलार रोड के डी-मार्ट क्षेत्र और ग्राम पंचायत बोरदा के अंतर्गत आने वाली प्रमुख कॉलोनियों– इंग्लिश विला, आईबीडी कॉलोनी और यूबी सिटी में हालात बेहद खराब हो चुके हैं। कई दिनों से नियमित पानी सप्लाई नहीं होने के कारण लोग बूंद-बूंद पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

बढ़ती आबादी और गिरता जलस्तर बना कारण

विशेषज्ञों के अनुसार कोलार और आसपास के इलाकों में तेजी से बढ़ती आबादी और भूजल के अत्यधिक दोहन ने संकट को गहरा दिया है। पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि वर्षा जल संरक्षण, भूजल रिचार्ज और नई जल योजनाओं पर तत्काल काम करने की जरूरत है। केवल टैंकरों के सहारे इस समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है।

बांध के बावजूद प्यासा कोलार

भोपाल में पानी की आपूर्ति मुख्य रूप से भोजताल, नर्मदा और कोलार बांध से होती है। हैरानी की बात यह है कि कोलार बांध से शहर के कई इलाकों में पानी पहुंच रहा है, लेकिन कोलार रोड के बाहरी हिस्से आज भी टैंकरों और बोरिंग के भरोसे हैं। डी-मार्ट कोलार रोड से कोलार बांध की दूरी करीब 20 किलोमीटर ही है, इसके बावजूद यहां के हजारों परिवार जल संकट झेल रहे हैं। इलाके में सुबह होते ही लोग खाली बाल्टियां और डिब्बे लेकर सड़कों पर टैंकरों का इंतजार करते दिखाई देते हैं। सरकारी सप्लाई ठप होने के कारण पूरा क्षेत्र निजी टैंकरों पर निर्भर हो गया है। महिलाएं टैंकरों से पानी भरकर घर ले जाने को मजबूर हैं। लगातार गिरते भूजल स्तर और भीषण गर्मी ने हालात और गंभीर बना दिए हैं।

पंचायत क्षेत्र होने से नहीं पहुंची पाइपलाइन

कोलार रोड का यह हिस्सा नगर निगम सीमा से बाहर ग्राम पंचायत बोरदा के अंतर्गत आता है। यही वजह है कि यहां अब तक स्थायी पाइपलाइन और नियमित जल आपूर्ति की व्यवस्था नहीं हो सकी। स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्रशासन, नगर निगम और जनप्रतिनिधि अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकाल पाए हैं। लोगों का कहना है कि चुनाव के दौरान बड़े-बड़े वादे करने वाले नेता अब इलाके में दिखाई नहीं देते। सोशल मीडिया और प्रशासनिक अधिकारियों से लगातार शिकायतों के बावजूद हालात जस के तस बने हुए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि टैंकर संचालक संकट का फायदा उठाकर मनमाने दाम वसूल रहे हैं। एक टैंकर पानी के लिए पहले से कई गुना अधिक रकम चुकानी पड़ रही है। कई परिवारों का कहना है कि पानी का अतिरिक्त खर्च उनकी घरेलू अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ रहा है।

रहवासियों का दर्द... स्थानीय निवासियों का कहना है कि हालात इतने खराब हो चुके हैं कि लोग पानी के लिए सड़कों पर भटक रहे हैं। कई बार एक टैंकर पानी को लेकर विवाद की स्थिति बन जाती है। नागरिकों ने बताया कि जब राजधानी के विकसित हो रहे क्षेत्रों में ही लोगों को पानी जैसी बुनियादी सुविधा नहीं मिल पा रही, तो विकास के दावे अधूरे नजर आते हैं।

भोपाल के छात्रों का एसओएफ ओलंपियाड में शानदार प्रदर्शन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अव्यान दलाल

अभिजीत कश्यप

शैक्षणिक उत्कृष्टता का शानदार प्रदर्शन करते हुए भोपाल के छात्रों ने साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन (एसओएफ) परीक्षा 2025-26 में बेहतरीन सफलता हासिल की है। इस वर्ष आयोजित एसओएफ ओलंपियाड में 72 देशों के लाखों छात्रों ने भाग लिया, जिनमें भोपाल के 31 हजार से अधिक छात्र शामिल थे।

प्रमुख प्रदर्शन करने वाले छात्रों में सागर पब्लिक स्कूल के कक्षा 1 के छात्र अव्यान राकेश दलाल ने इंटरनेशनल मैथेमेटिक्स ओलंपियाड में इंटरनेशनल रैंक 1 प्राप्त की। उन्हें गोल्ड मेडल और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा। वहीं दिल्ली पब्लिक स्कूल के कक्षा 10 के छात्र अभिजीत कश्यप ने इंटरनेशनल जनरल नॉलेज ओलंपियाड में इंटरनेशनल रैंक 2 प्राप्त की। उन्हें सिल्वर मेडल और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा स्वामी विवेकानंद इंग्लिश स्कूल की कक्षा 3 की छात्रा पूर्वी कीर ने इंटरनेशनल हिंदी ओलंपियाड (आईएचओ) में इंटरनेशनल रैंक 3 प्राप्त की। उन्हें ब्रॉन्ज मेडल और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा। इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए एसओएफ के संस्थापक एवं निदेशक महाबीर सिंह ने कहा, एसओएफ ओलंपियाड 2025-26 विद्यार्थियों को उत्कृष्टता हासिल करने और तार्किक सोच विकसित करने के लिए प्रेरित कर रहा है। एसओएफ एक शैक्षणिक संस्था है, जो स्कूल विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित करने और अकादमिक प्रतियोगिताओं को बढ़ावा देने का कार्य करती है। एसओएफ द्वारा इंटरनेशनल कंप्यूटर साइंस ओलंपियाड, साइंस ओलंपियाड, इंटरनेशनल मैथमेटिक्स ओलंपियाड, इंटरनेशनल इंग्लिश ओलंपियाड, कॉमर्स ओलंपियाड, इंटरनेशनल जनरल नॉलेज ओलंपियाड, इंटरनेशनल सोशल स्टडीज ओलंपियाड और इंटरनेशनल हिंदी ओलंपियाड जैसी परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं। ये परीक्षाएं छात्रों को विश्लेषण क्षमता व समस्या समाधान कौशल को वैश्विक स्तर पर परखने का अवसर प्रदान करती हैं।

श्रीमद्भागवत कथा का द्वितीय दिवस

शिव विवाह की मनमोहक झांकी देख भावविभोर हो गए श्रद्धालु

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

विजय नगर स्थित महामृत्युंजय मंदिर में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन श्रद्धालुओं का भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। पूरी आवासीय कॉलोनी और मंदिर परिसर भक्तिमय भजनों और जयकारों से गुंजायमान रहा।

शुकदेव जन्म और राजा परीक्षित का वैराग्य : कथाव्यास पूज्य साध्वी मंजरी प्रिया जी ने अपनी सुमधुर वाणी से कथा का रसपान कराते हुए शुकदेव जी के अलौकिक जन्म का प्रसंग सुनाया। इसके साथ ही उन्होंने देवर्षि नारद जी के पूर्व जन्म के चरित्र और राजा परीक्षित को मिले श्राप व उनके वैराग्य की कथा का विस्तारपूर्वक वर्णन किया। साध्वी जी ने कहा कि भागवत कथा जीवन को जीने की सही राह दिखाती है और मृत्यु के भय से मुक्त कर मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करती है। कथा के बीच-बीच में प्रस्तुत किए गए मधुर भजनों पर श्रद्धालु स्वयं को रोक नहीं पाए और झूमकर नृत्य करने लगे।

कथा के उत्तरार्ध में माही सबधाणी एवं उनकी टीम द्वारा भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह की बेहद भव्य और मनमोहक जीवंत झांकी प्रस्तुत की गई। शिव जी की बारात और विवाह के दृश्यों ने उपस्थित सभी भक्तों का मन मोह लिया। विवाह प्रसंग के बाद महाआरती और महाप्रसाद वितरण के साथ अद्वितीय भक्तिमय वातावरण में दूसरे दिन की कथा का समापन हुआ।

श्रीकृष्ण, सुदामा मित्रता का प्रसंग सुनाया

ग्राम कुराना में चल रही भागवत कथा का भंडारे के साथ समापन हुआ। कथा वाचक प्रीति नागर ने सुदामा चरित्र का मार्मिक वर्णन कर लोगों को भावविभोर किया। प्रीति नागर ने कहा कि जीवन में मित्र बनाओं लेकिन कृष्ण-सुदामा जैसा। सुदामाजी, अपने मित्र कृष्ण से मिलने द्वारिकाधाम पहुंचे थे। अपने घर पर सुदामाजी का सत्कार करते हुए श्रीकृष्ण ने कहा था कि आज तुम्हारे आगमन से मेरा घर भी तीर्थ हो गया है। सुदामा के जब भगवान कृष्ण पैर धो रहे थे तो सुदामा के पैर में कांटे चुभे हुए थे। सुदामा की स्थिती देख भगवान कृष्ण ने सुदामा से पूछा कि तुम इतने दिन कहा रहे। तुम इतना क्यों भटक रहे थे, अब तक मेरे पास क्यों नहीं आए। प्रभु की आंखो से इतने आसूं गिरने लगे कि उन्होने उसी आंसूओं से सुदामा के चरण धो दिए। कथा के दौरान तेरी मंद मंद मुस्कनिया पे, बलिहार सांवरे, बलिहार सांवरे, भजन की जैसी ही प्रस्तुति हुई श्रद्धालु जमकर थिरके।

हमसफर एक्सप्रेस निरस्त, जून में एक ट्रिप प्रभावित

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल से संचालित रानी कमलापति-संतरागाछी हमसफर एक्सप्रेस को तकनीकी कार्यों के चलते जून महीने में एक-एक ट्रिप निरस्त किया गया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल अंतर्गत बिलासपुर जंक्शन-चांपा जंक्शन रेलखंड पर थर्ड और फोर्थ लाइन से जुड़े अधोसंरचनात्मक निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। इसके तहत प्री-नॉन इंटरलॉकिंग, नॉन इंटरलॉकिंग और पोस्ट-नॉन इंटरलॉकिंग कार्य निर्धारित किए गए हैं। इसी कारण भोपाल मंडल से संचालित हमसफर एक्सप्रेस की एक-एक ट्रिप निरस्त करने का निर्णय लिया गया है। यात्रियों को होने वाली असुविधा पर रेलवे ने खेद जताया है।

स्टेशन पर लगी वाटर वेंडिंग मशीन में यात्रियों को अपनी बोतल उपयोग करने किया जागरूक

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

विश्व पर्यावरण संरक्षण एवं सिंगल यूज़ प्लास्टिक उन्मूलन के उद्देश्य से भोपाल मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर जल पुनर्भरण पॉइंट्स का विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया। यह अभियान मंडल के इंजीनियरिंग एवं वाणिज्य विभाग द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया गया।

इस दौरान स्टेशनों पर उपलब्ध वाटर रिफिल पॉइंट्स, पेयजल व्यवस्था एवं स्वच्छता की स्थिति का निरीक्षण किया गया तथा यह सुनिश्चित किया गया कि यात्रियों को स्वच्छ एवं सुगम पेयजल सुविधा उपलब्ध हो सके। साथ ही यात्रियों को अपनी व्यक्तिगत पानी की बोतलों का उपयोग एवं पुनर्भरण करने के लिए प्रेरित किया गया, जिससे सिंगल यूज़ प्लास्टिक बोतलों के उपयोग में कमी लाई जा सके। सीनियर डी सी एम सौरभ कटारिया ने बताया कि वाणिज्य विभाग ने रेलवे स्टेशनों के सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से यात्रियों को प्लास्टिक प्रदूषण के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। उद्घोषणाओं के माध्यम से यात्रियों से अपील की गई कि वे प्लास्टिक बोतलों एवं अन्य सिंगल यूज़ प्लास्टिक वस्तुओं का सीमित उपयोग करें तथा पर्यावरण संरक्षण में रेलवे का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि यात्रियों से जल पुनर्भरण सुविधाओं एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी जागरूकता अभियान पर फीडबैक भी प्राप्त किया गया। यात्रियों ने इस पहल की सराहना करते हुए रेलवे द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों को सकारात्मक कदम बताया।

दो किस्त में खाते से निकल गए 8.66 लाख रुपए

भोपाल। शाहपुरा में निजी कंपनी से सेवानिवृत्त अधिकारी सायबर फ्रॉड का शिकार बन गया। पुलिस के अनुसार नंदकिशोर दुबे रोहित में रहते हैं। वे एक कंपनी से जनरल मैनेजर के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। नंदकिशोर दुबे के पास कॉल आया। उसने बिजली कंपनी का कर्मचारी बनकर उनसे बातचीत की। उनसे कहा गया कि आपका बिल बाकी है। इसलिए कनेक्शन काटा जा रहा है। जालसाज ने बताया आईवीआरएस नंबर पुराना था। उसमें यह प्रदर्शित हो रहा है। इसके लिए 12 रुपए का भुगतान करने के लिए बोलते हुए मोबाइल पर लिंक भेज दी। इसको क्लिक करते ही उनके एचडीएफसी बैंक खाते से 99 हजार 959 रुपए और आईसीआईसीआई के दूसरे बैंक खाते से सात लाख, 66 हजार 698 रुपए निकाल लिए गए।

मेट्रो एंकर संतनगर के सेवासदन ने पेश की सेवा की मिसाल

समय पूर्व जन्मे जुड़वा शिशुओं को मिली आंखों की रोशनी

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

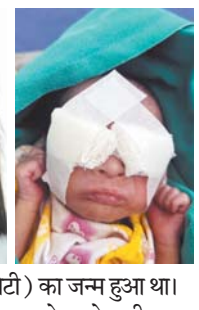

कहते हैं कि समय पर मिला सही इलाज किसी मासूम की पूरी जिंदगी बदल सकता है। ऐसा ही एक भावुक और प्रेरणादायक मामला भोपाल के संतनगर से सामने आया है, जहां समय रहते उचित इलाज मिलने से दो नवजात जुड़वा भाई-बहन की आंखों की रोशनी बचाई जा सकी। इस मामले में सेवा सदन आई हॉस्पिटल ने तत्परता दिखाते हुए दोनों बच्चों का पूरी तरह निःशुल्क उपचार कर समाज के सामने सेवा का एक बड़ा उदाहरण पेश किया है।

7 महीने में हुआ था जन्म, वजन था बेहद कम: मूल रूप से छिंदवाड़ा निवासी राज और रानी के घर 27 दिन पहले जुड़वा बच्चों (एक बेटा और एक बेटी) का जन्म हुआ था। दोनों बच्चों का जन्म समय से पहले यानी केवल 7 महीने (34 सप्ताह से कम) में ही हो गया था। इस कारण वे शारीरिक रूप से अत्यंत कमजोर और गंभीर स्थिति में थे। जन्म के तुरंत बाद शिशुओं को छिंदवाड़ा के जिला अस्पताल की एनआईसीयू में भर्ती किया गया था, जहां बेटे का वजन मात्र 1 किलो 200 ग्राम व बेटी का वजन 1 किलो 300 ग्राम दर्ज किया।

क्या है 'आरओपी' बीमारी: समय से पहले जन्म लेने और अत्यधिक कम वजन होने के कारण दोनों बच्चों में रेटिनोपैथी ऑफ प्री-मैच्युरिटी नामक गंभीर बीमारी के लक्षण पाए गए। डॉक्टरों के मुताबिक, यह आंखों की एक ऐसी जटिल स्थिति है जो समय पर इलाज न मिलने पर नवजात बच्चों को हमेशा के लिए अंधेपन की ओर धकेल सकती है। चूंकि बच्चों के माता-पिता आर्थिक रूप से बेहद कमजोर थे, इसलिए वे महंगे इलाज की चिंता के कारण पूरी तरह निराश हो चुके थे और उम्मीद खो बैठे थे।

इंजेक्शन देकर बचाई रोशनी: भोपाल पहुंचने पर सेवा सदन की वरिष्ठ रेटिना विशेषज्ञ डॉ. सोनल पालीवाल, जो पिछले 6 वर्षों से आरओपी के मामलों पर ही कार्य कर रही हैं, ने दोनों बच्चों की विस्तृत जांच की। जांच के बाद उन्होंने पाया कि दोनों बच्चों को तुरंत एंटी वीईजीएफ इंजेक्शन की आवश्यकता है। यह इंजेक्शन आंखों में बनने वाली असामान्य रक्त वाहिकाओं की वृद्धि को रोकता है और बच्चों को रेटिना डैमेज, ब्लीडिंग तथा स्थायी अंधेपन से बचाता है। समय पर विशेष इंजेक्शन मिलने से अब दोनों बच्चों की स्थिति बेहतर है। बच्चों की आंखों की रोशनी सुरक्षित देख माता-पिता ने डॉक्टरों की टीम का आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल अभयारण्य में नहीं मिला ताजा खनन का सबूत!

कोर्ट में सरकार ने ड्रोन तस्वीरों का दिया हवाला, बताया- 44 वाहन जब्त किए

मुरैना, दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल अभयारण्य में अवैध रेत उत्खनन के मामले में मध्यप्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि हालिया जांच में नए या ताजा खनन के कोई सबूत नहीं मिले हैं। सरकार ने कहा कि रिपोर्ट में जिन गड्ढों का जिक्र किया गया था, वे पुराने खनन के कारण बने थे और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के बाद वहां नया उत्खनन नहीं हुआ। सरकार ने यह भी बताया कि अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई में अब तक 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, 44 वाहन जब्त किए गए हैं और 8 वाहनों को राजसात किया जा चुका है। मामले की अगली सुनवाई 22 जुलाई 2026 को होगी।

सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार 29 मई को जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने मामले की सुनवाई की। 26 मई को दिए गए निर्देशों के बाद मध्यप्रदेश सरकार की ओर से ग्वालियर सर्किल के वन संरक्षक ने शपथपत्र दाखिल किया। इसमें बताया गया कि समाचार रिपोर्ट में जिन स्थानों का उल्लेख था, वहां निरीक्षण कराया गया। जांच में नए खनन के कोई संकेत नहीं मिले।

ड्रोन तस्वीरों का दिया हवाला

सरकार ने कोर्ट को बताया कि अप्रैल 2026 के दूसरे सप्ताह से ड्रोन कैमरों के जरिए लगातार निगरानी की जा रही है। इन्हीं तस्वीरों के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया कि संबंधित स्थानों पर कोर्ट के निर्देशों के बाद कोई नया उत्खनन नहीं हुआ। हलफनामे में कहा गया कि जिन ट्रैक्टरों में रेत परिवहन होती दिखाई दी, वह संभवतः व्यापारियों के रेत डंप में पहले से संग्रहित सामग्री थी। हालांकि सरकार ने ऐसे व्यापारियों के खिलाफ अवैध भंडारण और परिवहन को लेकर कार्रवाई प्रस्तावित होने की जानकारी भी कोर्ट को दी।

सरकार ने दिया सख्त निगरानी का भरोसा

मध्यप्रदेश सरकार ने बताया कि बिना पंजीकरण वाले वाहनों और अवैध खनन से जुड़े मामलों में कई एफआईआर और प्रारंभिक अपराध प्रतिवेदन दर्ज किए गए हैं। कार्रवाई के दौरान 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। 44 वाहन जब्त किए गए हैं, जबकि 8 वाहनों को राजसात किया जा चुका है। सुनवाई के दौरान अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू ने कोर्ट को आश्वस्त किया कि चंबल अभयारण्य क्षेत्र में कड़ी निगरानी रखी जाएगी और आगे किसी भी प्रकार का अवैध रेत उत्खनन नहीं होने दिया जाएगा। सरकार ने यह भी कहा कि निगरानी और पर्यवेक्षण से जुड़े जरूरी कदम तेजी से पूरे किए जाएंगे।

राज्य सरकार से जवाब मांगा था

सुप्रीम कोर्ट ने 26 मई को हिंदुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट पर संज्ञान लेते हुए मध्यप्रदेश सरकार से जवाब मांगा था। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि कोर्ट के पूर्व निर्देशों के बावजूद चंबल अभयारण्य क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन जारी है। इससे पहले कोर्ट ने अपने विस्तृत आदेश में कहा था कि चंबल में अवैध खनन संगठित नेटवर्क का रूप ले चुका है। अदालत ने बिना रजिस्ट्रेशन वाले वाहनों के संचालन, वन विभाग में खाली पदों, निगरानी की कमी और पर्यावरणीय नुकसान पर गंभीर चिंता जताई थी। राज्यों को सीसीटीवी निगरानी बढ़ाने, अवैध खनन में शामिल वाहनों की जब्ती, जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई और हर दो महीने में प्रगति रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए थे।

अगली सुनवाई 22 जुलाई को

सुप्रीम कोर्ट ने मामले को 22 जुलाई 2026 के लिए सूचीबद्ध किया है। तब तक मध्यप्रदेश, राजस्थान और उत्तरप्रदेश सरकारों के साथ केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति को भी ताजा तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए गए हैं।

देश का अग्रणी राज्य बना मध्यप्रदेश, सीएम मोहन यादव का दावा

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत 2 लाख से अधिक जल संरचनाओं का कार्य हुआ पूर्ण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जल ही जीवन का मुख्य आधार है और हमारी पारंपरिक जल संरचनाओं को संरक्षित और संवर्धित करना हमारा परम सामाजिक और पर्यावरणीय कर्तव्य है। इसी पावन उद्देश्य के साथ राज्य में शुरू किया गया %जल गंगा संवर्धन अभियान% आज केवल एक शासकीय कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के सहयोग से एक पवित्र जन-आंदोलन का रूप ले चुका है। मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्यप्रदेश में जल संरक्षण और पुनर्जीवन के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुआ है, जिसके अंतर्गत अब तक रिकॉर्ड 2 लाख से अधिक जल संरचनाओं का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश जल सहेजने के इस पुनीत कार्य में पूरे देश में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

जल गंगा संवर्धन अभियान-2026 के तहत राज्य में कुल 3,67,777 कार्यों का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इसमें से 2,00,844 महत्वपूर्ण संरचनाओं का निर्माण और जीर्णोद्धार पूरा किया जा चुका है, जबकि 1,51,093 कार्य तीव्र गति से प्रगति पर हैं। इस विशाल अभियान को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से क्रियान्वित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा कुल 10,644.02 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है, जिसमें से अब तक 6,330.81 करोड़ रुपये (लगभग 59.5त्न) की राशि का उपयोग किया गया है, जो विकास की वास्तविक गति को दर्शाती है।

देश के लिए मिसाल बनेगा मध्यप्रदेश का जल प्रबंधन मॉडल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस ऐतिहासिक सफलता का श्रेय प्रदेश की जागरूक जनता, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समर्पित प्रशासनिक अमले को देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश का यह सशक्त जल प्रबंधन मॉडल पूरे देश के लिए एक नई और अनुकरणीय दिशा तय करेगा। आने वाली पीढ़ियों को जल संकट से बचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और मध्यप्रदेश इस दिशा में निरंतर नवाचार करता रहेगा।

कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों में हुई जल क्रांति

ग्रामीण और कृषि क्षेत्रों में जल आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए रिकॉर्ड 57,794 खेत तालाब और 91,838 डग वेल रिचार्ज (कुआं पुनर्भरण) संरचनाओं का निर्माण व जीर्णोद्धार किया गया है। इसके अतिरिक्त, पारंपरिक और नए जल स्रोतों को सहेजने के उद्देश्य से 29,906 जल संरक्षण एवं पुनर्भरण संरचनाओं तथा 126 भव्य %अमृत सरोवरों% का कार्य शत-प्रतिशत् पूरा किया जा चुका है। सिंचाई के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 1,152 विशेष सिंचाई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और पुरानी जल संरचनाओं के पुनर्जीवन के लिए 2,721 मरम्मत एवं रखरखाव संबंधी कार्यों को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया है। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत सामाजिक, पर्यावरणीय और शैक्षणिक स्तर पर भी विशेष प्रयास किए गए हैं। वाटरशेड प्रबंधन के तहत 4,822 कार्यों को पूर्ण किया गया है, जिससे भूमिगत जल स्तर में व्यापक सुधार होगा। वहीं, स्कूलों में स्वच्छता और शुद्ध पेयजल सुनिश्चित करने के लिएWoW मोबाइल ऐप के माध्यम से 5,275 पानी की टंकियों की सफाई का कार्य संपन्न कराया गया है। इसके अलावा, जल संसद जल बंधन 2.0 (JSJB 2.0) पहल के तहत 21.23 लाख से अधिक कार्यों का सफल पंजीकरण किया गया है, जिसमें समय पर कार्य पूर्ण करने की उत्कृष्ट दर 91.3त्न दर्ज की गई है।

जनगणना ड्यूटी बनी वजह, आदेश जारी

मध्य प्रदेश के 50 हजार शिक्षकों का फरवरी 2027 तक नहीं होगा ट्रांसफर

एक जून तक कर्मचारियों की जानकारी पोर्टल पर अपडेट करने के निर्देश

शिक्षक संगठनों ने आदेश का विरोध करते हुए स्वैच्छिक तबादले की मांग उठाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग की स्थानांतरण प्रक्रिया जल्द शुरू होने जा रही है। इसी बीच लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआइ) ने महत्वपूर्ण आदेश जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि जनगणना कार्य में लगे सरकारी स्कूलों के शिक्षकों और कर्मचारियों का स्थानांतरण फरवरी 2027 तक नहीं किया जाएगा। इस संबंध में सभी जिलों के कलेक्टरों और शिक्षा अधिकारियों को निर्देश भेज दिए गए हैं। प्रदेशभर में करीब 50 हजार सरकारी शिक्षक जनगणना कार्य में लगाए गए हैं। भोपाल जिले में लगभग 400 शिक्षक इस कार्य में संलग्न हैं। डीपीआई ने निर्देश दिए हैं कि जिन शिक्षकों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी जनगणना में लगी है, उनकी जानकारी स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षा पोर्टल 3.0 पर अपडेट की जाए। सभी जिलों को एक जून तक जनगणना में लगे कर्मचारियों की सूची पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं।

शिक्षक संगठनों ने जताया विरोध

डीपीआइ के इस आदेश का शिक्षक संगठनों ने विरोध शुरू कर दिया है। मध्यप्रदेश शासकीय शिक्षक संगठन ने सरकार और स्कूल शिक्षा विभाग से मांग की है कि जनगणना कार्य में लगे शिक्षकों को स्वैच्छिक स्थानांतरण प्रक्रिया से पूरी तरह वंचित न किया जाए। संगठन का कहना है कि कई शिक्षक लंबे समय से पारिवारिक, स्वास्थ्य और प्रशासनिक कारणों से स्थानांतरण की प्रतीक्षा कर रहे हैं। संगठन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेन्द्र कौशल ने कहा कि जनगणना ड्यूटी के आधार पर स्वैच्छिक स्थानांतरण पर पूर्ण रोक लगाना उचित नहीं है। संगठन ने मांग की है कि पात्र शिक्षकों को विशेष अनुमति देकर स्थानांतरण प्रक्रिया में शामिल किया जाए, ताकि जनगणना कार्य और शैक्षणिक व्यवस्था दोनों प्रभावित न हों।

5वीं और 8वीं की पुन: परीक्षा की नई तारीखें जारी-

16 से 23 जून के बीच होंगे एग्जाम 24 से 28 जून तक होगा मूल्यांकन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राज्य शिक्षा केंद्र ने कक्षा 5वीं और 8वीं की पुनः परीक्षा सत्र 2025-26 की संशोधित समय-सारणी जारी कर दी है। पहले घोषित कार्यक्रम में आंशिक बदलाव करते हुए अब परीक्षाएं 16 जून से 23 जून 2026 के बीच आयोजित की जाएंगी। इस संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र ने सभी जिलों के कलेक्टरों को निर्देश जारी कर दिए हैं।

राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अपरिहार्य कारणों के चलते पुनः परीक्षा की तिथियों में बदलाव

किया गया है। पहले जारी टाइम टेबल में संशोधन करते हुए अब परीक्षाएं निर्धारित नई तारीखों पर आयोजित होंगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा का आयोजन परिशिष्ट-1 और 2 में दी गई संशोधित समय-सारणी के अनुसार किया जाएगा।

मूल्यांकन कार्य भी तय समय में होगा पूरा

पुनः परीक्षा के बाद उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन का कार्य 24 जून से 28 जून 2026 के बीच पूरा कराया जाएगा। इससे परिणाम प्रक्रिया में देरी न हो, इस पर विशेष जोर दिया गया है। राज्य शिक्षा केंद्र ने यह भी स्पष्ट किया है कि परीक्षा आयोजन से संबंधित अन्य सभी दिशा-निर्देश पूर्ववत लागू रहेंगे। केवल परीक्षा की तिथियों में बदलाव किया गया है, बाकी प्रक्रिया में कोई परिवर्तन नहीं होगा।

आंधी-पानी से हुए नुकसान का जायजा लेने मैदान में उतरे ऊर्जा मंत्री तोमर

भोपाल। आंधी और बारिश से उप नगर ग्वालियर में कई क्षेत्रों में वृक्ष गिरने से विद्युत लाइनों तथा खंभों के क्षतिग्रस्त होने से बिजली संबंधी गंभीर समस्या उत्पन्न हुई। सूचना प्राप्त होते ही ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने तत्काल ग्राउंड पर पहुंचकर प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया तथा राहत एवं मरम्मत संबंधी कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने देर रात 1 बजे 4 फीडरों पर विद्युत व्यवस्था का जायजा लिया। मंत्री तोमर ने माँ वैष्णोंपुरम , चंदनपुरा, श्याम बाबा का मंदिर, राठौर चौक, गदाईपुरा पहुंचकर विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि आंधी-पानी के कारण जिन इलाकों में विद्युत आपूर्ति बाधित हुई है, वहां वैकल्पिक व्यवस्था कर विद्युत आपूर्ति बहाल करें।

जबलपुर में गेहूं खरीदी का घोटाला...

पोर्टल पर चढ़ाया, लेकिन गोदाम खाली 5,168 क्विंटल की शॉर्टेज से हुआ खुलासा

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

मझौली क्षेत्र के मां अन्नपूर्णा वेयरहाउस में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के दौरान बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। जांच में खुलासा हुआ कि पोर्टल पर हजारों क्विंटल गेहूं की एंट्री तो कर दी गई, लेकिन वास्तविक रूप से वह अनाज गोदाम में मौजूद ही नहीं था। मामले में 5,168 क्विंटल गेहूं की शॉर्टेज मिलने के बाद खाद्य विभाग ने प्रकरण तैयार कर कलेक्टर न्यायालय को भेज दिया है। जांच के अनुसार खरीदी केंद्र में 661 किसानों के नाम पर गेहूं खरीदी दर्ज की गई थी। सत्यापन के दौरान पोर्टल पर दर्ज मात्रा और वेयरहाउस में उपलब्ध स्टॉक में भारी अंतर मिला। कई किसानों को इस बात की

जानकारी तक नहीं है कि उनके नाम पर अतिरिक्त गेहूं चढ़ाया गया है। खाद्य विभाग की जांच में सामने आया कि महिला ग्राम संगठन हटौली भूमि ग्राम संगठन को खरीदी संस्था बनाया गया था। संस्था की जिम्मेदारी रीना लोधी के पास थी, जबकि कंप्यूटर ऑपरेटर के रूप में मयूरी लोधी और शुभम बर्मन की नियुक्ति की गई थी। आरोप है कि खरीदी संचालन का काम अमन पांडे और आकाश पांडे को सौंपा गया, जिन्होंने स्लॉट से अधिक मात्रा पोर्टल पर दर्ज कर फर्जी खरीदी दिखाई।

निगरानी व्यवस्था पर भी उठे सवाल

मामले ने निगरानी व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। नियमानुसार प्रतिदिन खरीदी और स्टॉक का सत्यापन खाद्य विभाग, नागरिक आपूर्ति निगम और एनआरएलएम के अधिकारियों को करना था, लेकिन इसके बावजूद हजारों क्विंटल गेहूं की कमी लंबे समय तक पकड़ में नहीं आई। जांच में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी, सर्वेयर और नोडल अधिकारियों की भूमिका भी संदेह के घेरे में आ गई है।

स्कैन करते ही मिलेगी जिलेवार भूजल की स्थिति, भूजल बोर्ड की अनूठी पहल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) उत्तर मध्य क्षेत्र (एनसीआर) भोपाल द्वारा सात दिवसीय भूजल एक्सपो लगाया गया है। 27 मई से शुरू यह एक्सपो दो जून तक चलेगा। भारत भवन भोपाल में एमपीसीएसटी द्वारा आयोजित सदानीरा- जल, संस्कृति और चेतना का उत्सव कार्यक्रम के तहत अदृश्य खजाना - नीला सोना शीर्षक से भूजल एक्सपो का आयोजन किया जा रहा है।

इसमें भूजल की स्थिति देखने के लिए स्कैनर लगाया गया है। इसे स्कैन करने पर जिलेवार भूजल की स्थिति देखी जा सकती है, ऐसा ही स्कैनर तहसीलवार भी है। बोर्ड के मध्य प्रदेश के क्षेत्रीय निदेशक एके बिस्वाल ने बताया कि यह स्कैनर काफी उपयोगी है। इससे आमजन अपने शहर का भूजल स्तर देख सकेंगे।

आमजन को जागरूक करने का उद्देश्य

वहीं उन्होंने कहा कि इस एक्सपो का उद्देश्य आमजन को पानी के प्रति जागरूक करना है कि हमारे जीवन में पानी का क्या महत्व है। भूजल स्तर गिरने से भविष्य में इसके क्या दुष्परिणाम होंगे, इसे अभी विचार कर भविष्य के लिए हमें तैयार रहना होगा। उन्होंने रेन वाटर हार्वेस्टिंग पर जोर देते हुए कहा कि प्रत्येक घर में यह सिस्टम होना चाहिए, तभी भूजल स्तर बना रहेगा।

मेट्रो एंकर — मालवा-निमाड़ की मंडियों में बढ़ गए दाम

पेट्रोल-डीजल की आग अब सब्जी मार्केट तक पहुंची

मंदसौर में हरी सब्जियां 5 से 20 रुपये किलो महंगी

सब्जी और फल 20 फीसदी तक महंगे हो गए

मालवा-निमाड़, दोपहर मेट्रो

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी का असर अब आम आदमी की रसोई तक पहुंचने लगा है। मालवा-निमाड़ के कई जिलों में सब्जियों के दाम तेजी से बढ़े हैं। परिवहन लागत बढ़ने, तेज गर्मी और हरी सब्जियों की कम आवक के कारण टमाटर, गिलकी, लौकी, हरी मिर्च, धनिया और नींबू जैसी रोजमर्रा की सब्जियां महंगी हो गई हैं। सबसे ज्यादा असर मंदसौर, खरगोन और उज्जैन में दिखाई दे रहा है।

इंदौर में भी कुछ सब्जियों के भाव तेजी से बढ़े हैं। मंदसौर में व्यापारियों का कहना है कि परिवहन लागत बढ़ने से हरी सब्जियों के दामों में पांच से 20 रुपये प्रति किलो तक बढ़ोतरी हुई है। टमाटर 70 से 80 रुपये किलो और गिलकी 60 से 70 रुपये किलो तक पहुंच गई है। पालक, धनिया और अन्य पत्तेदार सब्जियों के भाव भी लगभग दोगुने हो गए हैं।

सब्जियों और फलों के रेट 20 प्रतिशत तक बढ़े- स्थानीय उत्पादन कम होने और महाराष्ट्र-राजस्थान से महंगी आवक को इसकी बड़ी वजह माना जा रहा है। खरगोन में डीजल की बढ़ती कीमत और परिवहन खर्च बढ़ने से सब्जियों और फलों के दामों में 10 से 20 प्रतिशत तक उछाल आया है। गिलकी और लौकी 50 रुपये किलो तक पहुंच गई है, जबकि नींबू 80 रुपये किलो बिक रहा है। केले के भाव भी 30 रुपये दर्जन से बढ़कर 50 से 60 रुपये दर्जन तक पहुंच गए हैं।

उज्जैन में भी पेट्रोल-डीजल की महंगाई का असर बाजार पर साफ दिखाई दे रहा है। हरी मिर्च 50 से 60 रुपये किलो, शिमला मिर्च 50 रुपये किलो और टमाटर 20 से 30 रुपये किलो तक बिक रहा है। व्यापारियों के अनुसार तेज गर्मी के कारण खेतों में हरी सब्जियां सूखने लगी हैं, जिससे मंडियों में आवक लगातार घट रही है।

धनिया के भाव 40 रुपये किलो पहुंच गए

इंदौर में फिलहाल सब्जियों की उपलब्धता बनी हुई है, लेकिन कुछ आवश्यक वस्तुओं के दाम तेजी से बढ़े हैं। यहां हरी मिर्च 90 रुपये किलो, नींबू 110 रुपये किलो और टमाटर 40 रुपये किलो तक बिक रहा है। गिलकी और धनिया के भाव भी 40 रुपये किलो तक पहुंच गए हैं। व्यापारियों का कहना है कि यदि डीजल की कीमतें और बढ़ीं तो आने वाले दिनों में असर और गहरा सकता है।

नई विश्व राजनीति

एक समय था जब दुनिया की ताकत तेल के कुओं से मापी जाती थी। जिन देशों के पास ऊर्जा संसाधन थे, वही वैश्विक राजनीति की दिशा तय करते थे। लेकिन अब दुनिया एक नए दौर में प्रवेश कर चुकी है। आज सत्ता की असली कुंजी जमीन के नीचे दबे उन दुर्लभ खनिजों में छिपी है, जिनके बिना आधुनिक तकनीक की कल्पना तक संभव नहीं। मोबाइल फोन से लेकर इलेक्ट्रिक वाहन, रक्षा उपकरणों से लेकर अंतरिक्ष तकनीक तक-हर आधुनिक व्यवस्था इन्हीं 'क्रिटिकल मिनरल्स' पर टिक चुकी है। और शायद इसी वजह से अब दुनिया एक नए प्रकार के मौन संघर्ष की ओर बढ़ रही है। चीन ने पिछले वर्षों में इन महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति और प्रोसेसिंग पर जिस तरह मजबूत पकड़ बनाई है, उसने विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं को चिंता में डाल दिया है। जब किसी एक देश के हाथ में भविष्य की तकनीक की बुनियादी सामग्री का नियंत्रण हो, तब वह केवल आर्थिक शक्ति नहीं रहता, बल्कि वैश्विक दबाव का माध्यम भी बन जाता है। चीन ने निर्यात नियमों को सख्त कर यह संकेत दे दिया है कि आने वाले समय में संसाधनों की राजनीति और तीखी हो सकती है। इसी पृष्ठभूमि में भारत सहित कई देश अब वैकल्पिक सप्लाई चेन तैयार करने की दिशा में सक्रिय हो रहे हैं। यह केवल व्यापारिक समझौता नहीं, बल्कि रणनीतिक आत्मनिर्भरता का प्रयास है। जापान, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, कनाडा और चिली जैसे देशों के साथ भारत की बढ़ती साझेदारी इस बात का संकेत है कि दुनिया अब तकनीकी संसाधनों के लिए एक नए गठबंधन की तलाश में है। भारत के लिए यह अवसर अत्यंत महत्वपूर्ण है। देश के पास कई आवश्यक खनिजों के भंडार मौजूद हैं, लेकिन अब तक उनका उपयोग सीमित स्तर पर ही केंद्रित रहा है। दूसरी ओर, भारतीय उद्योग अब भी बड़ी मात्रा में आयात पर निर्भर हैं। यदि भारत इस क्षेत्र में अपनी क्षमता विकसित कर पाता है, तो यह केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं होगी, बल्कि वैश्विक मंच पर उसकी रणनीतिक स्थिति भी मजबूत होगी। हालांकि चुनौती छोटी नहीं है। चीन की ताकत केवल संसाधनों पर नियंत्रण तक सीमित नहीं, बल्कि सस्ती कीमतों और विशाल उत्पादन क्षमता में भी है। यही कारण है कि दुनिया के उद्योग अभी भी उससे पूरी तरह दूरी बनाने में हिचकिचा रहे हैं।

हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर विशेष

समाज में आम की जगह खास की चिंता करती आज की पत्रकारिता

डॉ. प्रभात ओझा
स्तंभकार

जिस समाचार पत्र के प्रारम्भ होने के तथ्य को याद करते हुए हम हिन्दी पत्रकारिता दिवस मनाते हैं, उसका स्मरण रस्मी हो चला है। प्रथा और परिपाटी का संवहन अच्छी बात है, बशर्ते कि हम उसे सार्थक बनायें। पिछले दो-तीन दशक से इसके विपरीत ही हुआ है। हर 30 मई को हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर हम तरह -तरह के आयोजन करते हैं, लेख लिखते हैं। अगले दिन यानी 31 मई को आयोजन की रिपोर्ट तक अखबारों में नहीं दिखती। जवाब में कह सकते हैं कि अखबारों में पेज कम हुए हैं। राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेज घटनाओं से लेकर स्थानीय हलचल की प्राथमिकता तय करने में संगोष्ठियों का नंबर बहुत बाद में आता है।

फिर यह भी मजबूत दलील कि जिनके लिए गोष्ठियां आयोजित हुईं, उनतक तक यह पहुंच ही जाती हैं। आमजन का इससे कोई वास्ता नहीं होता। पहली और प्राथमिक समझ यहीं से तय होनी चाहिए। यहां हिन्दी पत्रकारिता दिवस मनाने का सबब यानी युगल किशोर शुक्ल सम्पादित पत्र 'उदन्त मार्त्तण्ड' ही 'सर्चलाइट' का काम कर सकता है। 'सर्चलाइट' शब्द का इस्तेमाल साहित्य के लिए मुंशी प्रेमचंद ने किया था। हम साहित्य के सिर्फ एक हिस्से पत्रकारिता की बात करते हैं और प्रेमचंद का 'सर्चलाइट' बहुत पहले कहे युगल किशोर शुक्ल के 'हिंदुस्तानियों के हित के हेत' में दिखाई पड़ता है। यह 'हिंदुस्तानियों के हित के हेत' 'उदन्त मार्त्तण्ड' का ध्येय वाक्य था। सिर्फ आयोजन नहीं, यहां तक कहा जाय कि हिन्दी सहित सम्पूर्ण पत्रकारिता में इस ध्येय वाक्य को सामने रखने से उसका उद्देश्य पूरा होता नजर आता है। यह ध्येय वाक्य पत्रकारिता के लिए आईना की तरह है। उदन्त मार्त्तण्ड के ध्येय वाक्य में आया 'हेत' दरअसल 'हेतु' के ही रूप में अपनाया गया तत्कालीन कलकतिया हिन्दी शब्द है। पत्रकारिता के संदर्भ में भाषा नहीं, उसका मकसद ही अर्थ रखा करता है। अन्यथा जिस कलकत्ता (अब कोलकाता) से हिन्दी का यह पहला अखबार निकला, उसके पहले वहीं से अंग्रेजी सहित अन्य समाचार पत्र प्रकाशित हुए अथवा हो रहे थे। इतिहास गवाह है कि राजनीतिक और व्यावसायिक केंद्र होने के कारण इसी शहर से भारत का पहला अखबार हिक्कीज गजट (1780) निकला। यानी उदन्त मार्त्तण्ड (1826) से 46 साल पहले। जेम्स ऑगस्टस हिक्की के इस साप्ताहिक अखबार का पूरा नाम बड़ा रोचक है और उसके 'मास्टहेड' पर चार पंक्तियों में छपता रहा। अखबार का नाम 'हिकीज बंगाल गजट ऑर द ओरिजिनल कलकत्ता जनरल एडवरटाइजर' था। आमतौर पर कह दिया जाता है कि तमाम तरह की कठिनाइयां, जैसे डॉक से भेजने पर रोक और मुकदमों के कारण इसे बंद करना पड़ा था। यह भी जरूर तथ्य मिलते हैं कि हिकी ने ईस्ट इंडिया कंपनी और गवर्नर जनरल हेस्टिंग्स पर कुछ ऐसे आरोप लगाये, तो पुष्ट नहीं किये जा सके। फिर यह कैसे भुला दें कि भ्रष्टाचार के आरोप में हेस्टिंग्स और मुख्य न्यायाधीश एलिजा इम्पी पर ब्रिटिश संसद में महाभियोग का मुकदमा चला। अलग बात है कि तब के भारत जैसे देश में शीर्ष अंग्रेज अधिकारियों पर आरोप वाले मुकदमे का जो परिणाम होना था, वही हुआ।

इसी तरह बांग्ला का बंगाल गजट, दो अंक तक उर्दू और फिर फारसी में छपे जामे-जहांनुमा और फारसी का ही मिरात- उल- अखबार भी कलकत्ता से ही छपे। कलकत्ता के साथ उसी दौर में तब के बंबई और मद्रास से भी बहुत से अखबार निकले। इनके कुछ ही समय बाद निकला उदन्त मार्त्तण्ड ऐसा अखबार था, जिसने पहली बार हिंदुस्तानियों के हित का ध्यान रखने की स्पष्ट घोषणा की। हिंदुस्तानियों के हित का ध्यान रखने को सिर्फ भारत नहीं, पूरी दुनिया के आम हितों के लिए प्रतीक के तौर पर समझा जाना चाहिए। कुछ तथ्य ऐसे हैं जिनसे लगता है कि मीडिया अपने इस प्रमुख ध्येय से भटक रहा है। जहां इस मकसद पर डटा है, वहां कोपभाजन भी बन रहा है। तभी तो अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप सीएनएन, न्यूयार्क टाइम्स और वॉल स्ट्रीट जर्नल पर फेक न्यूज देने के आरोप लगाते हैं। उनका कहना है कि ये अखबार ईरान की हार को भी जीत बताने की कोशिश में लगा है। राष्ट्रपति इन अखबारों के साथ डेमोक्रेटिक पार्टी नेताओं को भी 'पूरी तरह भटका हुए' और 'पागल' तक कहने से परहेज नहीं करते। हमारे देश में भी आम तौर पर मीडिया गिरावट की ही ओर है। स्वतंत्रता आंदोलन की तरह किसी 'मिशन' का नहीं होना कारण बताया जा सकता है। फिर भी जनहित अपने आप में एक मिशन है। इसके लिए सम्पादक नाम की सत्ता का मजबूत होना जरूरी है। समाचार पत्र चलाने के लिए धन की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता, पर अभी कुछ वर्ष पहले तक कुछ तो था कि पाठकों का एक समूह सिर्फ सम्पादकीय पढ़ने के लिए किसी विशेष अखबार को खरीदा करता था। आखिर मीडिया घरानों को अखबार चलाने के लिए धन पहले भी तो मिला ही करता था।

ठीक है कि विचार स्वातंत्र्य के नाम पर इलेक्ट्रॉनिक और तरह-तरह के मीडिया प्लेटफार्म भी सामने आए हैं। फिर भी सवाल 'हिंदुस्तानियों के हित के हेत' का ही है। हर समय की पत्रकारिता इसी कसौटी पर कसी जाएगी। उस पर मीडिया के खरा उतरने का मानक यही होगा कि वह खास लोगों की जगह आम जन की चिंता करे। इधर अथवा उधर का ठप्पा लगने की जगह बेहतर यही हो कि उस पर जनता की तरफ होने का मुहर लगे।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

स्मृति शेष

कमाल के कलाम पेश करने वाले बशीर साहब जैसे शायर विदा होते हैं, अलविदा नहीं...

घनश्याम मैथिल 'अमृत'
कवि एवं साहित्यकार

मकबूल शायर पद्मश्री डॉ.बशीर बद्र साहब पर कुछ लिखने से पहले मैं एक बात साफ कर दूँ कि मैं उन्हें खूब जानता था परन्तु वे मुझे बिलकुल नहीं जानते थे। मैंने उन्हें कई बार पढ़ा और मंचों से सुना और दो- तीन बार उनसे मुलाकातों और बातों का सिलसिला भी हुआ, परन्तु एक लेखक और पाठक की हैसियत से।

एक बार उनसे मुलाक़ात मेरे मित्र कीर्तिशेष डॉ. बाबूराव गुजरे के साथ हुई थ। हम उनसे मिलने शाहजहाँनाबाद के गोलघर स्थित उनके घर उनसे मिलने गए थे। मध्यप्रदेश हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष प्रोफेसर अक्षयकुमार जैन के कहने पर। करवट कला परिषद के सदर मंज़िल में होने वाले एक आयोजन के सिलसिले में बतौर अतिथि उन्हें आमंत्रित करना था। हम एक़दम नये लोग, नई संस्था। परन्तु शायरी की किताब थी, करवट प्रकाशन से छपी थी और लेखक का मन था सो डरते- डरते यह सोचते बशीर साहब के घर पहुंचे कि इतना नामचीन शायर भला क्या हमारे निमंत्रण को स्वीकार करेगा। परन्तु आश्चर्य, उन्होंने न सिर्फ हमारा निमंत्रण स्वीकारा बल्कि वे लोकार्पण कार्यक्रम में आये, पूरे समय ठहरे भी। फिर दूसरी बार आकाशवाणी भोपाल के उद्घोषक और दुष्यन्त कुमार स्मारक पाण्डुलिपि संग्रहालय के निदेशक राजुरकर जी के साथ उनसे मिलना हुआ। राजुरकर जी नवाचारी व्यक्ति थे, तरह तरह के नये नये काम उन्हें सूझते थे। उन्होंने सोचा एक ही जगह बद्र साहब के चुने हुए शेर बहुत कम क़ीमत में उनके पाठकों को मिलें तो अच्छा रहेगा। वे उनके चुनिंदा शेरों को संकलित कर पड़ाव प्रकाशन के माध्यम से एक़ किताब निकालना चाहते थे। राजुरकर जी भी सशंकित थे कि पता नहीं बद्र साहब अनुमति देंगे या नहीं देंगे या देंगे तो उनकी शर्तें क्या होंगी? क्योंकि उनकी किताबें बड़े- बड़े प्रकाशक छापते हैं और ऊँची रायल्टी देकर। फिर वही, उम्मीद से दुगना फल मिला। हमारा डर व्यर्थ था। बद्र साहब ने न सिर्फ राजुरकर राज को किताब प्रकाशित करने की अनुमति दी बल्कि उनके इस प्रयास की प्रसंशा भी की और हमारी मेहमान नवाजी करते हुए आगे भी निःसंकोच घर आते रहने को कहा।

कल बशीर बद्र साहब नहीं रहे। उनसे जुड़ी अनेक स्मृतियाँ आँखों में तैर रही हैं। लगभग पंद्रह वर्षों तक याददाश्त खो जाने की बमारी के बाद उन्होने 91 वर्ष की लम्बी उम्र में इस फानी दुनिया को अलविदा कहा। वे भरपूर जि। उनका आजमगढ से मेरठ होते हुए भोपाल का सफर संघर्षों से भरा रहा और आखिर में ग़ालिब से लेकर दुष्यन्त तक का रिश्ता जिस शहर से रहा वह ग़ज़लकारों - फनकारों का शहर बशीर साहब को ऐसा भाया की वो यहीं के होकर रह गये ।

'उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो, न जाने किस गली में ज़िन्दगी की शाम हो जाये ' / 'कुछ तो मजबूरियां रही होंगी, यूँ कोई बेबफा नहीं होता '/'हम दरिया हैं हमें अपना हुनर मालूम है ' / लोग टूट जाते हैं एक घर बनाने में ' / कोई हाथ भी न मिलाएगा जो मिला करोगे तपाक से 7' सहित बशीर साहब की गज़लों के ऐसे तमाम शेर हैं जो आज बच्चों -बच्चों की जुबान पर हैं। यह शेर आपको पूरे हिंदुस्तान के किसी भी गाँव कस्बे और शहर की सड़कों पर दौड़ती गाड़ियों, बसों, ट्रकों, होटल के ढाबों पर लिखे मिल जायेंगे। यानि जो शायरी गाड़ी ड्राइवरों,ढाबों और सड़कों पर काम करने वाले मजदूरों की जुबान पर चढ़ जाये,शायरी में कही गई बात सबको अपनी सी लगे वही शायरी कविता या लेखन आम आदमी की भाषा में आम आदमी के लिये लेखन होता है। यह काम असल में किया था पद्मश्री डॉ. बशीर बद्र साहब ने। प्यार - दोस्ती आपसी रिश्ते मोहब्बत का पैगाम उनके एक़ एक़ शब्द से जादू बनकर टपकता था ।

बशीर बद्र साहब पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेई को व्यक्तिगत रूप से बहुत पसंद करते थे। वे उन्हें अपने पिता का दर्ज़ा देते थे। यह बात उनके विरोधियों को बहुत खलती थी। वे इस रिश्ते को छिपाते नहीं थे बल्कि सार्वजनिक रूप से स्वीकार करते थे। उनकी बैठक में अटल जी का एक़ बड़ा सा चित्र लगा हुआ था। साथ ही अन्य चित्रों में भी वे अटल जी के साथ विभिन्न मंचों पर दिखाई देते थे ।

वे उर्दू अकादमी, मध्य प्रदेश संस्कृति परिषद भोपाल के लम्बे समय तक अध्यक्ष भी रहे। वे अपने कार्यकाल में अपने दफ्तर में दिनभर अपने चाहने वालों से घिरे रहते थे, लोगों से मिलते रहते थे। और सबसे मुस्कराकर आत्मीयता से मिलना बिना पद और कद का भेदभाव किये, उनकी आदत में शुमार था। वे सबसे ऐसे मिलते थे उनसे वर्षों पुरानी पहचान हो। उनके इस कार्यकाल के दौरान उनकी अपने अनेक शायर मित्रों से असहमतियों के चलते मुठभेड़ भी हुईं। लोगों ने उनपर तरह- तरह के आरोप लगाकर उन्हें बदनाम करने की तंग करने की, उन पर दबाव बनाने की पूरी कोशिश भी की पर वे झुके नहीं अपने ढंग से काम करते रहे । एक़ बार भोपाल से प्रकाशित अख़बार जो एक़ नामचीन रचनाकार के साथ युवा रचनाकार की रचना भी प्रकाशित करता था, उसने मेरी एक़ रचना बद्र साहब के साथ छाप दी। यह देख मुझे उस समय जो खुशी हुई , फ़ख़्र महसूस हुआ उसे मैं आज भी अनुभव करता हूँ। मैंने उनसे मुलाक़ात होने पर अख़बार की यह कटिंग दिखाई तो वे भी बहुत खुश हुए। मैंने उनका आशीर्वाद लिया ।

जब वे स्मृति लोप के रोग का शिकार हो गये थे तब भी उनसे उनके चाहने वाले शायर, मित्र बराबर मिलते रहते थे। ऐसे ही एक़ शायर मित्र के अनुरोध पर उनसे मिलवाने उनके घर मित्र को ले गया था। मैंने उनसे बहुत कहा कि वे किसी को बिलकुल नहीं पहचानते न कोई बात करते हैं। फिर भी वे बोले- एक़ बार उनके दर्शन ही कर लूँ, भले बात न हो । 'यानि इतना तो पक्का है लोग उनके और उनकी शायरी के दीवाने थे। तब उनकी पत्नी राहत बद्र ने बशीर साहब से कहा था - 'डाक साहब देखो आपसे कौन मिलने आया है । ' और डाक साहब ने जैसे कुछ सुना ही न हो। वे कभी हमें और कभी इधर -उधर निर्विकार भाव से देखे जा रहे थे, जैसे कुछ खोज रहे हों कुछ सोच रहे हों । एक़दम क्लीन शेव और साफ - सुथरे कपड़ों में बद्र साहब। ऐसा लग ही नहीं रहा था कि यह बीमार हैं। उनकी यादों, उनके मस्तिष्क में कितनी चीजों होंगी पर देखिये विधि का विधान, वह व्यक्ति एकदम अबोध बालक जैसा हो गया । उनके बेटे तैय्यब और पत्नी राहत जी ने उनकी इन ऐसे दौर में खूब सेवा की, उनका हार्दिक साधुवाद,।

एक़ ऐसा शायर जो अलीगढ़ यूनिवर्सिटी में एम. ए. उर्दू पाठ्यक्रम का स्वयं छात्र हो, अपने शेरों गज़लों को कोर्स में पढ़ रहा हो कितने आश्चर्य की बात ह। एक़ ऐसा शायर जिसके बिना देश और दुनिया मे मुशायरे अधूरे माने जाते हों, जिनकी शायरी पढ़े -लिखे और अनपढ़, मालिक और मज़दूर के बीच भेद न करती हो, जिनके शेर सड़क से लेकर संसद तक गूंजते हों, ऐसे शायर कभी विदा होकर भी अलविदा नहीं होते। उनकी कलम और कलाम से वे हमारे बीच सदैव मौजूद रहते हैं। ऐसे बद्र साहब को शत शत नमन, विनम्र प्रणाम.. !

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

गर्मियों में खाने को लंबे समय तक स्टोर करना बन सकता है फूड पॉइजनिंग कि वजह

गर्मियों के दिनों में अक्सर लोगों को पेट से जुड़ी समस्या का समाना करना पड़ता है। आपने खुद इस बात को नोटिस किया होगा कि गर्मियां बढ़ते ही ज्यादातर लोगों को पेट दर्द, उल्टी, दस्त और कमजोरी जैसी समस्याएं होने लगती है। दरअसल, गर्म मौसम में भोजन के अंदर बैक्टीरिया पनपने की संभावना बढ़ जाती है। जब आप बैक्टीरिया द्वारा दूषित भोजन खाते हैं तो इससे फूड पॉइजनिंग हो जाती है। यह एक आम परेशानी है जो लोगों की दिनचर्या को प्रभावित करती है। लेकिन एक्सपर्ट्स बताते हैं कि अगर आप स्वच्छता से जुड़े कुछ उपायों को अपनाएं तो इस समस्या से आसानी से बच सकते हैं।

जब भोजन व आहार लंबे समय तक 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर तापमान में रहता है तो उसमें बैक्टीरिया, वायरस और पैरासाइट्स पनपने की संभावना बढ़ जाती है। रिचर्स के मुताबिक आहार में नोरोवायरस, हेपेटाइटिस ए, सालमोनिला, सी परफ्रिन्जेंस आदि वायरस और बैक्टीरिया बेहद आसानी से पैदा हो जाते हैं। यही बैक्टीरिया और वायरस से दूषित भोजन को ग्रहण करने की वजह से लोगों को गर्मियों के दिनों में फूड पॉइजनिंग का शिकार होना पड़ता है।

मैयोक्लीनिक के अनुसार खाने की चीजों को 40 डिग्री से कम तापमान में स्टोर करें। यदि, इससे अधिक तापमान में खाने को स्टोर किया जाए तो बैक्टीरिया की वजह से फूड पॉइजनिंग हो सकती है। एनसीबीआई के अनुसार सब्जियों और फलों को खाने से पहले साफ पानी से अवश्य धोएं। कई बार लोगों के गंदे हाथों की वजह से बैक्टीरिया सब्जियों और फलों में आ जाते हैं। साथ ही, सब्जियां और जिन फलों को फ्रिज में रखें उनको पानी से अवश्य साफ करें। रिसर्च कहती है कि भोजन बनाने से पहले लोगों को अपने हाथों को साबुन से धोना चाहिए। कई बार गंदे हाथों से बैक्टीरिया भोजन तक पहुंच जाते हैं। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि खाना बनाने से पहले हाथों को करीब 20 से 30 सेकंड तक साबुन से धोना चाहिए। साथ ही, मीट को छूने के बाद भी हाथ जरूर धोने चाहिए। हर खाने की एक शेल्फ लाइफ होती है। फूड पॉइजनिंग से बचने के लिए आप लंबे समय तक किसी भी आहार को स्टोर न करें। एक निश्चित समय के बाद भोजन खराब होने की संभावना बढ़ जाती है।

सुविचार

जिंदगी एक शिक्षक की तरह होती है जो, समय-समय पर सबकी परीक्षा लेती है । -अज्ञात

निशाना

लोकतंत्र है..!

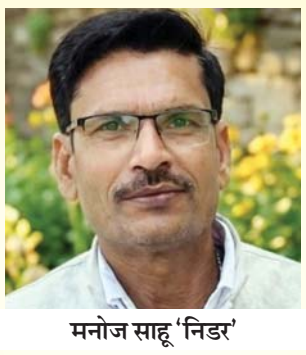

मनोज साहू 'निडर'

ठोंको-पीटो, नोंचो-खाओ, लोकतंत्र है
नंगे होकर नाचो गाओ, लोकतंत्र है
देशभक्ति की छाप लगाकर माथे पर
हर मौके पर इसे भुनाओ, लोकतंत्र है
घूस माँगते तुम्हें पकड़ ले कोई तो
रिश्वत देकर जान छुड़ाओ, लोकतंत्र है
झूठ सजाकर ऊँचे मंचों पर रख दो
सच्चाई को धूल चटाओ, लोकतंत्र है
अपना मत, मत दान समझना भूले से
इसे बेचकर खा, पी जाओ लोकतंत्र है
संविधान जब हावी हो मनमर्जी पर
संसद में कानून बनाओ, लोकतंत्र है।

आस्था

तपती गर्मी में भी नहीं सूखती रहस्यमयी 'सीता बावड़ी', श्रीराम के बाण से फूटी पवित्र जलधारा

मध्यप्रदेश के खंडवा जिले में एक ऐसा रहस्यमयी और आस्था से जुड़ा स्थल मौजूद है, जो आज भी लोगों को हैरान कर देता है। भीषण गर्मी और सूखे के हालात में जहां जलस्रोत सूख जाते हैं. वहीं खंडवा की प्रसिद्ध 'सीता बावड़ी' आज भी निरंतर जल से भरी रहती है। यह स्थान न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि अपने भीतर हजारों साल पुरानी एक अद्भुत कहानी भी समेटे हुए है।

स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, यह स्थल त्रेतायुग के समय का है, जब भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण वनवास के दौरान इस क्षेत्र से गुजरे थे। उस समय यह इलाका खांडव वन के नाम से जाना जाता था। कहा जाता है कि यात्रा के दौरान माता सीता को प्यास लगी, लेकिन आसपास कहीं पानी नहीं था। तब भगवान श्रीराम ने अपने बाण से धरती में प्रहार किया, जिससे वहां से जलधारा फूट पड़ी यही जलधारा आज भी इस स्थान पर बह रही है और इसी के ऊपर बाद में 'सीता बावड़ी' का निर्माण किया गया।

आज भी नहीं सूखता पानी: हैरान करने वाली बात यह है कि सदियों बीत जाने के बाद भी इस बावड़ी का पानी कभी नहीं सूखता। भीषण गर्मी में भी यहां जल का स्तर बना रहता है। बावड़ी के अंदर एक प्राकृतिक झिर (स्रोत) है, जहां से लगातार पानी निकलता रहता है। यह बावड़ी खंडवा के प्रसिद्ध रामेश्वर मंदिर के ठीक पीछे स्थित है, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। लोग इसे भगवान राम का चमत्कार मानते हैं और यहां के जल को पवित्र मानकर ग्रहण भी करते हैं। यह स्थान करीब 5000 साल पुराना माना जाता है और आज भी लोगों की आस्था का केंद्र बना हुआ है। जब श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं और उस कुंड को देखते हैं, जहां से जलधारा निकली थी, तो उन्हें ऐसा महसूस होता है जैसे वे इतिहास के किसी जीवंत पल के साक्षी बन गए हों। यह स्थल धार्मिक और ऐतिहासिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है, लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि इसकी देखरेख उतनी अच्छी नहीं हो पा रही है। यदि नगर निगम और पुरातत्व विभाग इस पर ध्यान दें, तो यह जगह न सिर्फ सुरक्षित रह सकती है, बल्कि खंडवा का एक प्रमुख पर्यटन स्थल भी बन सकती है।

नॉलेज

कूलिंग का किस्सा... इंसान नहीं, कागज को ठंडा रखने के लिए हुआ था एसी का आविष्कार

गर्मी के लगातार बढ़ते रहने के बीच इंसानों में ठंडक बनाए रखने का कम्फर्ट लेवल भी बढ़ता जा रहा है। अब मामला एयर कंडीशनर जरूरत की चीज बन गया है। लेकिन क्या आपको पता है कि जो एसी आज बेसिक जरूरत बनती जा रही है, उसका आविष्कार इंसानी शरीर के लिए हुआ ही नहीं था। इसको इंसान नहीं, बल्कि कागजों की सुविधा के लिए बनाया गया था। सुनने में भले ही अटपटा लग रहा हो लेकिन यह सच है।

आधुनिक एसी का इजाद एक इंडस्ट्रियल समस्या को सुलझाने के दौरान हुआ था। यह अमेरिका की बात है जब साल 1902 में गर्मियों के सीजन में न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन इलाके की एक प्रिंटिंग प्रेस में हवा की नमी अधिक होने की वजह से कागज सिकुड़ रहे थे। इससे उन पर रंगीन छपाई करना मुश्किल होता जा रहा था। अमेरिका के एनर्जी डिपार्टमेंट के अनुसार विलिस कैरियर नामक इंजिनियर ने वायुमंडल में अधिक हो चुके नमी को कंट्रोल करने के लिए दुनिया के पहले एयर कंडीशनिंग सिस्टम का आविष्कार किया था।

युवा इंजीनियर विलिस उस समय 'बफेलो फोर्ज कंपनी' में काम कर रहे थे। उन्होंने जो सिस्टम डिजाइन किया, उसमें ठंडी कॉइल्स का उपयोग किया गया था जो कारखाने की इमारत में नमी को कंट्रोल करती थीं। विलिस के अनुसार इस सिस्टम ने पूरे साल कारखाने में 55 प्रतिशत नमी बनाए रखी।

इसके बाद विलिस कैरियर ने इस तकनीक में कई और सुधार किए। ऐसा कहा जाता है कि विलिस ने 'रैशनल साइक्रोमेट्रिक फॉर्मुला' विकसित किया, जो आज भी आधुनिक एयर कंडीशनिंग तकनीक का वैज्ञानिक आधार है।आगे चलकर 1915 में उन्होंने चार अन्य भागीदारों के साथ मिलकर 'कैरियर इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन' की स्थापना की, जो बाद में दुनिया की टॉप एसी निर्माता कंपनी बनी। 20वीं सदी के मध्य तक आते-आते लागत में कमी और उपयोग में आसानी की वजह से पूरे अमेरिका में एसी का उपयोग तेजी से फैल गया। आज दुनिया के कई देशों में अत्यधिक गर्म मौसम के दौरान एयर कंडीशनर एक जरूरत बन चुके हैं । इसने ना केवल इमारतों की डिजाइन और दफ्तरों के काम करने के तरीके को बदला है, बल्कि दुनिया भर के शहरी जीवन को भी एक नया रूप दिया है।

अनूपपुर में तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली पुलिया में पलटने से 6 की मौत, 40 घायल

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। हालही में अनूपपुर और उमरिया जिले की सीमा पर स्थित पुष्पराजगढ़ तहसील से दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि, क्षेत्र के करनपठार थाना इलाके की सरई चौकी के तिवनी गांव के पास शुक्रवार रात को एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर - ट्रॉली अनियंत्रित होकर पुलिया से नीचे गिरकर पलट गई है। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 30 से अधिक लोग घायल हुए हैं। घायलों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

मामले की जानकारी देते हुए एसपी विक्रांत मुराब ने बताया कि, जिले के गिंजरी, पड़मनिया गांव के ग्रामीण परिवारों के साथ बिजौरा ग्राम पंचायत के तिवनी जंगल में पूजा करने आए थे। लगभघ देर शाम को लौटते वक्त ट्रेक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पुलिया से नीचे जा गिरी। हादसे के बाद ट्रॉली में सवार ग्रामीण करीब दस फीट नीचे जा गिरे। बताया गया ट्रॉली में कुल लगभग 40 से अधिक लोग सवार थे। हादसे की जानकारी लगते ही उमरिया जिले के पाली थाना पुलिस, प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। 108 एम्बुलेंस की मदद से घायलों को पाली अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को शहडोल मेडिकल अस्पताल रेफर कर दिया गया है। हादसे में 22 पुरुष, 14 महिलाएं और 5 बच्चों घायल होने की खबर है। अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल रहा और बड़ी संख्या में परिजन पहुंच गए।

चार की इलाज के दौरान मौत

बताया जा रहा है कि, ट्रॉली में सवार 2 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि अन्य 4 ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया है। अबतक सामने आए अपडेट के अनुसार हादसे में कूल 6 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि लगभग 30 सवारों की हालत गंभीर है। मृतकों में घनश्याम सिंह 45 वर्ष, भूपत सिंह 50 वर्ष निवासी पढमनिया, सहबल बैगा पिता गल्ली राम 55 वर्ष एवं बीर सिंह 60 वर्ष निवासी गिजरी की पहचान हुई है। एक जानकारी ये भी है कि, चालक तेज गति से ट्रैक्टर दौड़ा रहा था, इसी के चले पुलिया के मोड़ पर मोड़ नहीं पाया और अनियंत्रित होकर ट्रॉली पलट गई। फिलहाल, पुलिस हादसे के स्पष्ट कारणों की जांच कर रही है।

आर्थिक सहायता की घोषणा

हादसे पर संज्ञान लेते हुए कलेक्टर हर्षल पंचोली खुद शहडोल मेडिकल कॉलेज पहुंचे, जहां उन्होंने घायलों से मुलाकात की। यहां उन्होंने घायलों के स्वास्थ्य का हाल जाना और मृतकों के परिजन को ढांढस बंधाया। इस दुखद हादसे में काल-कवलित नागरिकों के परिजन को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 4-4 लाख और संबल योजना के अंतर्गत 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता करने की बात कही है।

न्यूज विंडो

बेतवा नदी में जा रहा नंदूपुरा की नालियों का गंदा पानी

गंजबासौदा। क्षेत्र की जीवनदायिनी एवं आस्था का केंद्र बेतवा नदी इन दिनों प्रदूषण की गंभीर समस्या से जूझ रही है। नगर के नंदूपुरा क्षेत्र की गंदी नालियों का पानी वर्षों से सीधे बेतवा नदी में मिल रहा है, जिससे नदी का जल लगातार प्रदूषित हो रहा है। हैरानी की बात यह है कि इस समस्या की जानकारी प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को होने के बावजूद अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं किया जा सका है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नंदपुरा से निकलने वाला दूषित पानी सीधे नदी में पहुंच रहा है। इससे न केवल नदी की स्व'छता प्रभावित हो रही है, बल्कि जलीय जीव-जंतुओं और पर्यावरण पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है वहीं इस समय बेतवा में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु स्नान, पूजा-पाठ और धार्मिक गतिविधियों के लिए पहुंचते हैं, लेकिन गंदे पानी के लगातार प्रवाह से नदी की पवित्रता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। विशेष बात यह है कि जिस मार्ग से होकर यह गंदा पानी नदी में पहुंचता है, उसी मार्ग का उपयोग प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि और अन्य जिम्मेदार लोग भी नियमित रूप से करते हैं। इसके बावजूद समस्या की अनदेखी स्थानीय लोगों में नाराजगी का कारण बनी हुई है। जानकारी के अनुसार कुछ दिन पहले अधिकारियों द्वारा निरीक्षण भी किया गया, लेकिन निरीक्षण के बाद भी नालियों का पानी नदी में गिरना बंद नहीं हुआ। इससे प्रशासनिक कार्रवाई की प्रभावशीलता पर भी प्रश्नचिह्न लग रहे हैं। स्थानीय नागरिकों एवं पर्यावरण प्रेमियों ने मांग की है कि बेतवा नदी को प्रदूषण से बचाने के लिए तत्काल प्रभाव से गंदे पानी को रोका जाए तथा नालियों के पानी के उचित निकास एवं शोधन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

लाखों खर्च, फिर भी सूख गए पाम के पेड़, सौंदर्यीकरण पर उठे सवाल

अमरकंटक। नर्मदा उद्गम नगरी अमरकंटक में सौंदर्यीकरण और हरियाली बढ़ाने के नाम पर लगाए गए लाखों रुपये के पाम के पेड़ अब सूखते नजर आ रहे हैं। देखरेख के अभाव में बड़ी संख्या में पेड़ों के खराब होने से प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि पौधारोपण केवल दिखावे तक सीमित रहा और बाद में पेड़ों की सुरक्षा एवं रखरखाव की जिम्मेदारी पूरी तरह नजरअंदाज कर दी गई। जानकारी के अनुसार अमरकंटक के विभिन्न प्रमुख मार्गों और सार्वजनिक स्थलों पर महंगे पाम के पेड़ लगाए गए थे ताकि नगर की सुंदरता बढ़ाई जा सके। शुरुआती दौर में इन पौधों को लेकर बड़े दावे किए गए, लेकिन समय बीतने के साथ अधिकांश पेड़ पानी, खाद और नियमित निगरानी के अभाव में सूखने लगे। अब कई स्थानों पर सूखे पाम के पेड़ प्रशासनिक लापरवाही की तस्वीर पेश कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय-समय पर पौधों की देखभाल की जाती तो आज यही पेड़ अमरकंटक की प्राकृतिक सुंदरता को और आकर्षक बना रहे होते। नागरिकों ने सवाल उठाया है कि जब पौधारोपण पर लाखों रुपये खर्च किए गए तो उनकी देखरेख के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही क्यों तय नहीं की गई। लोगों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों एवं संबंधित एजेंसियों पर कार्रवाई की मांग की है। साथ ही मांग की गई है कि भविष्य में पौधारोपण केवल औपचारिकता न बनकर रह जाए, बल्कि पौधों के संरक्षण और रखरखाव की स्थायी व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए ताकि सरकारी धन का सही उपयोग हो सके और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य वास्तव में पूरे हों।

अनूपपुर जिले में अवैध मुरम खनन का वीडियो वायरल

अनूपपुर। जिले में हाईवे निर्माण कार्य और पोकलेन मशीनों के माध्यम से कथित अवैध खनन का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में दावा किया जा रहा है कि टोरेंट पावर के ठेकेदार द्वारा बिना खनिज विभाग की अनुमति के राजस्व और वन क्षेत्र की भूमि को मिलाकर बड़े पैमाने पर मुरम का उत्खनन किया गया। जानकारी के अनुसार, यह खनन कार्य हाईवे निर्माण से जुड़ी साइट पर किया जा रहा था, जहां पोकलेन मशीनों की मदद से मिट्टी और मुरम निकाली जा रही थी। स्थानीय जागरूक नागरिकों ने इस पूरे मामले का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिसके बाद अवैध खनन को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र में चर्चा तेज हो गई है कि क्या संबंधित विभागों की अनुमति के बिना यह उत्खनन कार्य किया जा रहा था। आरोप है कि राजस्व और वन भूमि को मिलाकर नियमों की अनदेखी करते हुए मुरम की खुदाई की गई।

भोजशाला में दर्शन के बाद सामाजिक कार्यकर्ता गौतम खट्टर बोले -

अब यह पूर्णतः शाश्वत मंदिर, नेता श्रेय लेने की बजाय विजय मंदिर को मूल स्वरूप में लौटाएं

धार। दोपहर मेट्रो

इंदौर हाईकोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के बाद पहली बार भोजशाला पहुंचे सामाजिक कार्यकर्ता गौतम खट्टर ने मां सरस्वती के दर्शन किए। इस दौरान भोज उत्सव समिति के गोपाल शर्मा सहित अन्य पदाधिकारियों ने उन्हें भोजशाला के गौरवशाली इतिहास से अवगत कराया।

भोजशाला में हुए बदलावों पर चर्चा करते हुए गौतम खट्टर ने कहा, पिछली बार जब मैं यहां आया था, और आज जब आया हूँ, तो तीन बड़े परिवर्तन साफ नजर आ रहे हैं। पहले यहां नमाज होती थी, जो अब न्यायालय के सख्त आदेश के बाद पूरी तरह बंद हो चुकी है। अब यह पूर्ण और शाश्वत रूप से मां सरस्वती का मंदिर है, जहां सुबह-शाम नियमित रूप से आरती हो रही है। लंदन में मौजूद मां वाग्देवी की प्रतिमा की वापसी पर उन्होंने कहा कि न्यायालय ने केंद्र सरकार को इस संबंध में आदेशित किया है। हम सभी केंद्र सरकार से पुरजोर आग्रह करते हैं कि अदालत के आदेश का जल्द से जल्द पालन किया जाए और मां सरस्वती की 1 हजार साल पुरानी प्राचीन प्रतिमा को लाकर यहां पुनर्स्थापित किया जाए, ताकि सनातनियों की आस्था को उसका मूल केंद्र मिल सके।

श्रेय लेने की होड़ पर नेताओं को घेरा

भोजशाला मुद्दे पर राजनीतिक दलों में श्रेय लेने की मची होड़ पर खट्टर ने कहा कि समाज के संघर्षों का श्रेय अंततः नेता ले ही लेते हैं, यह उनकी पुरानी आदत है। लेकिन समाज को कभी नहीं भूलना चाहिए कि यह लड़ाई किसने लड़ी। जब यहां भय का माहौल था, लोग बात करने से भी कतराते थे कि कहीं उनके परिवारों पर हमला न हो जाए, उस दौर में गोपाल शर्मा ने अग्रिम मोर्चे पर आकर बिना किसी डर के यह लड़ाई लड़ी। उन्होंने इस कानूनी जीत का पूरा श्रेय सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता हरि शंकर जैन, विष्णु शंकर जैन और भोपाल के वकीलों की टीम को दिया, जिन्होंने रात-दिन कागजात तैयार कर यह विधिक युद्ध जीता।

सामर्थ्य है तो मस्जिद और गुंबद का स्वरूप बदलें नेता

क्रेडिट लेने वाले नेताओं को चुनौती देते हुए गौतम खट्टर ने कहा कि अगर मौजूदा सरकार और नेताओं में सचमुच सामर्थ्य है, तो वे भोजशाला के ठीक बाहर स्थित गुंबद के ढांचे को परिवर्तित करें, जहां प्राचीन सरस्वती कूप, हनुमान जी और शिव जी का मंदिर है।

विजय मंदिर लाट मस्जिद के रूप में परिवर्तित है

उन्होंने आगे कहा राजा भोज ने जिस समय भोजशाला बनवाई थी, उसी काल में विजय मंदिर का भी निर्माण कराया था। आज वह विजय मंदिर लाट मस्जिद के रूप में परिवर्तित है, जहां कल बकरीद पर भी नमाज पढ़ी गई। जो नेता आज क्रेडिट लेने के लिए आगे आ रहे हैं, वे इस विजय मंदिर को उसके मूल स्वरूप में लाएं। मुझे पता है कि नेता यह नहीं कर पाएंगे; इसके लिए भी भविष्य में हमारे सामाजिक योद्धाओं और अधिवक्ताओं को ही संघर्ष करना होगा। इसमें थोड़ा समय लग सकता है, लेकिन परिवर्तन निश्चित है।

भाषण, वृक्षारोपण, श्रमदान और स्वच्छता अभियान से दिया सामाजिक जागरूकता का संदेश

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

मेरा युवा भारत विदिशा के तत्वाधान में सावित्री महिला मंडल के सहयोग से सुभद्रा कन्या महाविद्यालय में वीर विनायक दामोदर सावरकर जयंती के उपलक्ष्य में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाषण, उद्बोधन, वृक्षारोपण, स्व'छता अभियान एवं श्रमदान जैसी गतिविधियों के माध्यम से छात्राओं को राष्ट्रसेवा और सामाजिक दायित्वों के प्रति प्रेरित किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अनामिका प्रजापति के मार्गदर्शन तथा सहायक प्राध्यापिका शिवकुमारी रघुवंशी के सहयोग से संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने वीर सावरकर के जीवन, उनके राष्ट्रप्रेम, त्याग एवं संघर्षों पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को उनके आदर्शों पर चलने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में सावित्री महिला मंडल की अध्यक्ष लक्ष्मी शर्मा, कोषाध्यक्ष सोनाली शिवडे, रश्मि देशपांडे, डॉ. अपेक्षा वाजपेयी, अनीशा भारद्वाज, मनीष सेन, डॉ. रागनी वर्मा एवं डॉ. पुष्पा सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। श्रमदान कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर स्थित गार्डन की साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का संचालन शिवकुमारी रघुवंशी द्वारा किया गया, जबकि आभार प्रदर्शन लक्ष्मी शर्मा ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्राओं की सहभागिता रही।

विधायक ने दिए सब्जी मंडी व्यवस्था में सुधार करवाने के दिशा-निर्देश

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

नई सब्जी मंडी की व्यवस्थाओ को लेकर प्रशासन तनिक भी चिंतित नहीं है। मंडी में भरने वाली साप्ताहिक हाट में अव्यवस्थाओं का आलम दयनीय स्थिति में है। यहां आने वाले ग्रामीण क्षेत्र के दुकानदार मजबूरी में अपनी दुकान लगा रहे हैं। शाम करीब 5 बजे जब विधायक उमाकांत शर्मा यहां पर पहुंचे तो हालात देखकर अपनी नाराजगी नहीं रोक सके। मंडी के नाले में कचरा ठंसा हुआ था और हर तरफ कचरा फैला हुआ था। ऐसा लग रहा था कि महीनों से उसकी सफाई न हुई हो। हाट बाजार में आने वाले ग्रामीण दुकानदारों के बैठने की जगह पर आड़तियों का कब्जा जमा हुआ था। विधायक ने तुरंत ही प्रशासनिक अधिकारियों को मौके पर बुलाया और खुद धूड़े पर बैठ गए। जब अधिकारी मौके पहुँचे तो विधायक ने उनसे सवाल-जवाब करते हुए पूछा कि मैं कितनी बार यहां पर आऊं की व्यवस्था सुधर सके। जब आता हूं यहां अवैध कब्जा मिलता है। ये समझ नहीं आ रहा है कि जब मुझे ही सब करना है तो फिर आपका क्या काम है। हाट बाजार में भी दबंगों और ठेले वालों की मनमानी चल रही है। व्यवस्था में सुधार की कोशीश कोई नहीं कर रहा। विधायक ने अधिकारियों के साथ ही परिसर का निरीक्षण शुरू किया तो दुकानदारों ने अपनी समस्या बताना शुरू कर दी। यहां आने वाले कुछ दुकानदार तो गंदगी की वजह से मक्खियों के बीच बैठे थे। उन्होंने बताया कि यहां देखरेख करने के लिए कोई नहीं आता। जहां हम बैठे हैं। वहां लोग टायलेट करके जाते हैं। उन्हें रोकने वाला भी कोई नहीं हैं। विधायक ने साथ में चल रहे नपा के स्वच्छता निरीक्षक से पूछा कि आप यहा पर कितने दिनों में आए हो तो जवाब मिला 3 दिन बाद। उनका जवाब सुनकर विधायक ने हैरानी जताते हुए कहा कि नपा से केवल 100 मीटर दूर सब्जी मंडी तक आने में स्वच्छता निरीक्षक को 3 दिन लगते हैं।

मेट्रो एंकर — रात्रि चौपाल में अनोखा दृश्यः कलेक्टर-एसपी ने होम-स्टे में गुजारी रात

बैलगाड़ी में घूमे और पारंपरिक खेलों में हिस्सा लिया

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिला प्रशासन ने सोहागपुर विकासखंड के ग्राम कमती में विशेष रात्रि चौपाल आयोजित कर स्थानीय लोगों से प्रत्यक्ष संवाद किया। कलेक्टर सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक साईं कृष्णा एस थोटा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत हिमांशु सिंह और

रात्रि चौपाल में अधिकारियों ने विधानसभा और केंद्र की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी, पात्रता एवं लाभ लेने की प्रक्रिया समझाई और जरूरतमंदों से सीधे आवेदन स्वीकार किए। कई शिकायतों का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया और पात्र हितग्राहियों को संबंधित योजनाओं के तहत लाभ भी वितरित किए गए। अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं, सुझावों और आवश्यकताओं को ध्यानपूर्वक सुना। कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल दफ्तरों तक सीमित न रह कर लोगों तक पहुंचना है। उन्होंने रात्रि चौपाल और ग्राम प्रवास जैसे कार्यक्रमों को प्रशासन और आमजन के बीच दूरी घटाने तथा पारस्परिक विश्वास बढ़ाने का जरिया बताया। एक जिला एक उत्पाद के अंतर्गत ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने की पहल के तहत अधिकारियों ने ग्राम में होम-स्टे शैली में रात गुज़ारी और स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लिया। इससे अधिकारियों को ग्रामीण जीवन, संस्कृति और परंपराओं को नजदीक से समझने का मौका मिला। आज सुबह अधिकारियों ने ग्राम भ्रमण (विलेज ट्रांजिट वॉक) किया, पारंपरिक खेलों में हिस्सा लिया और बैलगाड़ी की सवारी कर स्थानीय जीवन शैली का अनुभव किया। ग्रामवासियों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। जिला प्रशासन ने कहा कि यह पहल शासन की जनहितकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, ग्रामीण पर्यटन को प्रोत्साहन और प्रशासन-जन संवाद को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। ग्राम कमती में आयोजित रात्रि चौपाल से स्थानीय विकास गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद जताई गई है।

न्यूज विंडो

कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने किया कार्यक्रम स्थल निरीक्षण

नरसिंहपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नरसिंहपुर जिले के एनटीपीसी गाडरवारा में 5 या 6 जून 2026 को कार्यक्रम प्रस्तावित है। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह और पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा ने गुरूवार को उक्त कार्यक्रम की तैयारियों के लिए संयुक्त रूप से कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया, एसडीएम गाडरवारा श्रीमती कलावती व्यारे सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्रीमती सिंह और पुलिस अधीक्षक डॉ. मीणा ने प्रधानमंत्री जी के प्रस्तावित कार्यक्रम का सुचारू रूप से तैयारियों के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने हेलीपैड स्थल, कार्यक्रम स्थल और पार्किंग स्थल का निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम के दौरान कानून व्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, हेलीपैड एवं सुरक्षा बेरीकेटिंग व्यवस्था, सत्कार व्यवस्था, परिवहन, पार्किंग, विद्युत, चिकित्सा व्यवस्था, फायर बिग्रेड, पेयजल व्यवस्था और साफ-सफाई आदि व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए।

केबिल समस्या का स्थायी समाधान रहवासियों ने जताया आभार

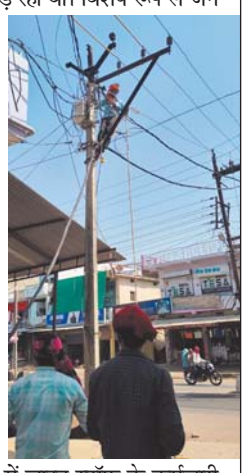

तेंदूखेड़ा। नगर के वार्ड क्रमांक 8 विद्यानगर में लंबे समय से बार-बार विद्युत केबिल जलने की समस्या बनी हुई थी, जिससे क्षेत्र के रहवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। विशेष रूप से जैन मंदिर के पीछे स्थित इलाके में केबिल खराब होने के कारण लगभग 30 से 35 घरों की बिजली आपूर्ति बार-बार बाधित हो जाती थी। गर्मी के मौसम में लगातार बिजली बंद होने से लोगों को काफी असुविधा हो रही थी। स्थानीय नागरिकों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए विद्युत विभाग द्वारा इस समस्या का स्थायी समाधान किया गया। विभाग के सहायक अभियंता फरीद अंसारी के मार्गदर्शन में लाइन स्टॉफ ने मौके पर पहुंचकर खराब केबिल को बदलने का कार्य किया। समस्या के निराकरण हेतु विभाग द्वारा नई केबिल डालकर संपूर्ण लाइन को दुरुस्त किया गया। इस कार्य में लाइन स्टॉफ के कर्मचारी सुधीर पटेरिया, लकी मिश्रा, रामकृष्ण गर्ग, शिवम खरे, पप्पू एवं राजा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कर्मचारियों ने तेज धूप और भीषण गर्मी के बावजूद पूरी मेहनत एवं लगन के साथ कार्य को समय पर पूर्ण किया। वार्ड क्रमांक 8 निवासी महेश मंगलम ने बताया कि गुरुवार को केबिल बदले जाने के बाद से विद्युत व्यवस्था में काफी सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि इसके पहले क्षेत्रवासी लगातार परेशान थे, लेकिन विद्युत कंपनी द्वारा केबिल बदलने के बाद लोगों को बड़ी राहत मिली है।

नकली सोने की सिल्ली दिखाकर लाखों की लूट करने वाला बदमाश गिरफ्तार

धार। नकली सोने की सिल्ली दिखाकर लाखों रुपये की धोखाधड़ी और लूट करने वाले एक शातिर वांटेड आरोपी को टांडा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर जामदा भूतिया में दबिश देकर आरोपी को घेराबंदी कर दबोचा। पकड़ा गया आरोपी शातिर अपराधी है, जो पुलिस को चकमा देने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, फरियादी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि आरोपियों ने उसे असली सोने की सिल्ली बेचने का लालच दिया। इसके बाद उसे अपनी गाड़ी में बैठाकर एक सुनसान स्थान पर ले गए। वहाँ आरोपियों ने फरियादी के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर उसके मोबाइल से ऑनलाइन रुपये ट्रांसफर करवा लिए। आरोपी फरियादी से नगदी, मोबाइल और अन्य सामान सहित कुल 2 लाख 97 हजार रुपये लूटकर फरार हो गए थे। टांडा पुलिस ने इस मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की थी। पकड़ा गया आरोपी गंगाराम पिता जोरावर सिंह बामनिया निवासी करचट थाना टांडा का रहने वाला है। वह बेहद शातिर है और अवैध शराब तस्करी व ब्लैकिंग जैसी गतिविधियों में भी संलिप्त है। टांडा पुलिस के अलावा सरदारपुर और अलीराजपुर जिले के बोरी थाने की पुलिस को भी कई मामलों में इसकी सरगर्मी से तलाश थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहाँ से उसे जेल भेज दिया गया है।

कार ने बाइक को मारी टक्कर, दो लोग घायल

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

थाना क्षेत्र के अंतर्गत धनेटा ग्राम के समीप रात 8 बजे एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी इस हादसे में दो लोग घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है जानकारी अनुसार शेख अल्ताफ पिता शेख अमीन उम्र 22 वर्ष शोहिल पिता मेहबूब खान उम्र 25 वर्ष दोनों घायल ग्राम धनेटा निवासी हैं जो ससनाकला से वापस अपने घर धनेटा आ रहे थे जिन्हें पीछे से अज्ञात कार ने टक्कर मार दी है घायलों का स्वास्थ्य केंद्र में इलाज चल रहा है पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही

सागर स्मार्ट सिटी लिमिटेड की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने दिए दिशा-निर्देश

नालों को सीवरेज नेटवर्क से जोड़ने और जीरो लिक्विड वेस्ट सिटी बनाने का प्रयास करें

सागर। दोपहर मेट्रो

भारत सरकार के स्मार्ट सिटीज मिशन अंतर्गत सागर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा शहरी विकास के पूर्ण एवं प्रगतिरत परियोजनाकार्यों की कलेक्टर सह अध्यक्ष सागर स्मार्ट सिटी प्रतिभा पाल ने स्मार्ट सिटी कार्यालय में आयोजित बैठक में समीक्षा की। उन्होने निगमायुक्त सह कार्यकारी निदेशक एवं सीईओ सागर स्मार्ट सिटी राजकुमार खत्री सहित सभी इंजीनियर्स अधिकारी कर्मचारियो की उपस्थिति में स्मार्ट सिटी कार्यालय के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का निरीक्षण किया और यहां ट्रेफिक पुलिस व पुलिस विभाग, स्वास्थय विभाग, नगर पालिक निगम एवं राजस्व विभाग आदि विभिन्न विभागों से जुड़ी सेवाओं की मॉनीटरिंग व्यवस्था की विस्तार से जानकारी ली।

उन्होंने शहरी स्वच्छता से जुड़ी महत्पूर्ण सेवा डोर टू डोर कचरा कलेक्शन वाहनों की आईसीसीसी से जोड़कर की जा रही जीपीएस ट्रेकिंग व्यवस्था को परखा। उन्होंने नगर निगम की अनुबंधित ऐजेंसी रैमकी के मॉनीटरिंग साफ्टवेयर सहित वाहनों के फील्ड में पहुंचने और वापस स्टॉप पाइंट पर पहुंचने के समय की रिपोर्ट रिकार्ड आदि देखा। उन्होंने कचरा वाहनों का निर्धारित समय पर संबंधित गली मुहल्ले में पहुंच कर कचरा संग्रहण कार्य और निर्धारित समय से न पहुंचने पर उनकी निगरानी कर रूट पर वाहन को दुरूस्त कराने की सूचना व्यवस्था आदि की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने सभी उपस्थित कर्मचारियों को बेहतर गुणवत्ता के साथ समय से सभी कार्य करने के निर्देश दिये।

झील की सफाई, सौंदर्यीकरण के लिए अपूर्ण प्रयास किए गए

कलेक्टर ने विभिन्न परियोजनाकार्यों की बिंदूवार समीक्षा करते हुए कहा की लाखा बंजारा झील वर्षों से इस ऐतिहासिक झील की सफाई एवं सौंदर्यीकरण के अपूर्ण प्रयास किए जा रहे थे जिसे स्मार्ट सिटी मिशन अंतर्गत सागर स्मार्ट सिटी द्वारा परियोजना में लेकर पूर्ण किया गया है। आज इस ऐतिहासिक जलस्रोत झील का स्वरूप सभी को आकर्षित करता है. इससे पर्यावरणीय सुधार भी देखने में आया है आसपास का भूजल स्तर भी बढ़ा है।

सभी नालों को सीवरेज नेटवर्क में जोड़ने की योजना बनाएं

उन्होने झील में नालों को मिलने से रोकने हेतु की गई नाला टैपिंग की जानकारी लेते हुए कहा की झील के आसपास सभी नाले बारिश के मौसम के अलावा सूखे रहें यह प्रयास करें। इससे शहर के भूमिगत जल या जलस्रोतों में बहकर या रिसाव से गंदा प्रदूषित पानी नहीं मिलेगा . सभी नालों को सीवरेज नेटवर्क में जोड़ने की योजना बनायें और सागर को जीरो लिक्विड वेस्ट सिटी बनाने का प्रयास करें। सागर में प्रदूषित जल उपचार हेतु उन्नत तकनीकि वाले प्लांट नगर पालिक निगम व स्मार्ट सिटी द्वारा संचालित हैं। जल उपचार प्रक्रिया का उपयोग करें और घरेलू व औधोगिक अपषिष्ट जल को उपचारित कर पूरी तरह रीसायकल कर उपयोगी बनाएं। यह जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल की प्रत्येक बूंद बचाने हेतु भी महत्वपूर्ण कार्य होगा।

लगातार बढ़ता शराब नेटवर्क

गली-गली बिक रही शराब, आबकारी विभाग और पुलिस पर उठ रहे सवाल

उमरिया। दोपहर मेट्रो

जिले में अवैध शराब बिक्री का कारोबार लगातार बढ़ता जा रहा है। सूत्रों के अनुसार जिले के कई क्षेत्रों में किराना दुकानों से लेकर छोटे होटल एवं ढाबों तक खुलेआम शराब बेची जा रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि एक सिंधी कारोबारी के नेटवर्क के माध्यम से यह पूरा कारोबार संचालित हो रहा है, लेकिन आबकारी विभाग और स्थानीय पुलिस अब तक प्रभावी कार्रवाई करने में नाकाम साबित हो रहे हैं। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्थिति यह है कि बिना लाइसेंस दुकानों पर आसानी से शराब उपलब्ध हो रही है। लोगों का कहना है कि गली-गली शराब बिकने से युवाओं पर बुरा असर पड़ रहा है तथा अपराध और असामाजिक गतिविधियों में भी वृद्धि हो रही है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि कई बार शिकायतें किए जाने के बावजूद कार्रवाई केवल औपचारिकता बनकर रह जाती है। सवाल उठ रहे हैं कि आखिर किसके संरक्षण में यह अवैध कारोबार फल-फूल रहा हैं यदि समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो जिले में कानून व्यवस्था की स्थिति और बिगड़ सकती है।

बंदूक की नोक पर हुई डकैती का खुलासा, 5 गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

मनावर पुलिस ने ग्राम बागसुल में करीब 15 दिन पूर्व हुई सनसनीखेज डकैती का खुलासा करते हुए 5 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से डकैती का कुल 11 लाख 10 हजार रुपये का माल वारदात में इस्तेमाल पिकअप वाहन और अवैध हथियार जब्त किए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गत 11 और 12 मई की दरमियानी रात ग्राम बागसुल निवासी फरियादी दीपक इस्के के घर में अज्ञात हथियारबंद बदमाश जबरन घुस गए थे। बदमाशों ने परिवार को बंदूक की नोक पर बंधक बनाकर घर से सोने-चांदी के आभूषण, नकदी, मोबाइल फोन सहित एक बैल और तीन बकरे-बकरियां लूट लिए थे। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना मनावर थाने पर अपराध दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस विभाग द्वारा एक विशेष टीम का गठन किया गया था। पुलिस टीम लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी थी, इसी दौरान मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली कि आरोपी लूटा हुआ माल ठिकाने लगाने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने ग्राम बैकल्या फाटा जिराबाद में घेराबंदी की। इस दौरान एक महिंद्रा पिकअप वाहन से लूटा गया बैल ले जाते हुए 5 आरोपियों को रंगे हाथों दबोच लिया गया। पुलिस ने मामले में पानसिंह पिता कालु भाबर, नाकु उर्फ महेश पिता केसु मोहनिया दोनों निवासी जमाल गुवाड़ी फलिया टांडा और धर्मेन्द्र उर्फ भय्यु पिता वेलसिंह पवार निवासी देवीपुरा, रूघनाथ पिता आपसिंह डावर निवासी धयड़ी इमलीपुरा और मोहब्बत पिता मगन अनारे निवासी देवीपुरा सड़क फलिया को गिरफ्तार किया गया।

जहरीली शराब जब्त, तीन आरोपी गिरफ्तार

सागर। दोपहर मेट्रो

दो अलग अलग मामलों में मोती नगर पुलिस ने जहरीली कच्ची शराब ज़ब्त की वहीं चोरी गई एक मोटरसाइकिल बरामद की। दोनों मामलों में आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले दर्ज किए हैं।

थाना प्रभारी जसवंत सिंह के अनुसार 28 मई को थाना मोतीनगर पुलिस ने मुखबिर सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए अवैध कच्ची जहरीली शराब के साथ 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है. पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम आमेट के पास दो युवक अवैध कच्ची शराब का विक्रय कर रहे हैं। मोतीनगर पुलिस टीम तत्काल रवाना हुई तथा मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान पर पहुंची। मौके पर पुलिस ने देखा कि सड़क किनारे खड़ी एक सफेद रंग की पुरानी मारुति स्विफ्ट डिजायर वाहन की डिक्की में सफेद रंग के प्लास्टिक के कुप्पे रखे हुए थे। पुलिस टीम को देखकर दोनों युवक मौके से भागने का प्रयास करने लगे, जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम दीपक पिता राजकुमार पांडे निवासी आवासीय कॉलोनी बाघराज वार्ड व अजय पिता राजू पटेल निवासी राजीवनगर वार्ड बताए. वाहन की तलाशी में दोनों प्लास्टिक कुप्पों में लगभग 10-10 लीटर कुल 20 लीटर अवैध कच्ची हाथ भट्टी से निर्मित जहरीली शराब बरामद हुई, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 2500 रुपये आंकी गई। पुलिस द्वारा मौके पर कार्यवाही करते हुए अवैध शराब जप्त की गई. आरोपियों के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। इसी तरह से मोतीनगर पुलिस द्वारा चोरी गई मोटरसाइकिल बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गई है। फरियादी महेश कुमार आडवाणी निवासी संतकवर रामवार्ड नेरिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उसकी मोटरसाइकिल क्र. एमपी 15 एमएच -0655 24 मई को रात्रि लगभग 8 बजे उसके घर के सामने खड़ी की गई थी, जो अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गई। आसपास तलाश करने एवं सीसीटीवी कैमरे चेक करने पर एक अज्ञात व्यक्ति मोटरसाइकिल ले जाते हुए दिखाई दिया।

रिपोर्ट पर पुलिस द्वारा टीम गठित कर मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की तलाश प्रारंभ की गई। तलाश के दौरान आरोपी रितेश जाटव पिता हुकुमचंद जाटव उम्र 30 वर्ष निवासी पगारा रोड, शुभाषनगर को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी द्वारा मोटरसाइकिल चोरी करना स्वीकार किया गया। आरोपी के कब्जे से चोरी गई मोटरसाइकिल बरामद की गई। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया।

भैंसा एवं पगारा में राजस्व अमले ने की कार्रवाई

अवैध कॉलोनियों पर चला प्रशासन का बुलडोजर, अवैध निर्माण हटाया

सागर। दोपहर मेट्रो

जिले में अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सागर अमन मिश्रा के मार्गदर्शन में राजस्व एवं पुलिस बल की संयुक्त टीम ने ग्राम भैंसा एवं पगारा में अवैध कालोनियों के विरुद्ध सर्च कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माण को जमींदोज किया गया। बता दें कि ग्राम भैंसा में एएनए बिल्डर द्वारा खसरा नंबर 138 पर पार्टनर सिमरजीत सिंह, आशु और अमरदीप के माध्यम से विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी पर मौके पर पहुंचकर कार्यवाही करते हुए अवैध निर्माण हटाया गया। इसी क्रम में ग्राम पगारा स्थित खसरा नंबर 831 में श्रीलाल जैन द्वारा निर्मित अवैध कॉलोनी पर भी कार्यवाही की गई और मौके पर अवैध निर्माण एवं अन्य कार्यों को रोका गया।

मेट्रो एंकर नगर निगम सभाकक्ष में सम्मान समारोह आयोजित

उपयंत्री शर्मा एवं यूडीसी चौबे का किया सम्मान

सागर। दोपहर मेट्रो

नगर निगम की लोककर्म शाखा में पदस्थ उपयंत्री दिनकर शर्मा एवं जल प्रदाय शाखा के यूडीसी मनोज चौबे के सेवानिवृत्त होने पर नगर निगम सभाकक्ष में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में निगमायुक्त राजकुमार खत्री सहित नगर निगम के विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दोनों कर्मचारियों का शाल, श्रीफल एवं पुष्पहार पहनाकर सम्मानपूर्वक स्वागत किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य एवं स्वस्थ जीवन की शुभकामनाएं दीं। निगम आयुक्त खत्री ने कहा कि दिनकर शर्मा एवं मनोज चौबे ने अपने सेवाकाल के दौरान पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण भाव से नगर निगम की जिम्मेदारियों का निर्वहन किया तथा शहर के विकास, सौंदर्यीकरण तथा जलप्रदाय व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में दोनों कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

समारोह के दौरान कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने दोनों सेवानिवृत्त कर्मचारियों के साथ बिताए गए अनुभव साझा किए तथा उनके सरल, सहयोगी एवं कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तित्व की प्रशंसा की। कार्यक्रम में कर्मचारी कल्याण मोर्चा के अध्यक्ष हरेंद्र खटीक,प्रभारी कार्यपालन यंत्री संजय तिवारी, उपयंत्री आयुष शुक्ला, महादेव सोनी,राहुल रैकवार, कार्यालय अधीक्षक मनोज अग्रवाल, मनोज तिवारी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यालय थाना प्रभारी मंगलवारा नगरी. पुलिस जिला भोपाल म.प्र.

क्र./था.प्र./मंगल./भो./डी/116/26 दिनाँक 22/05/26

दिनाँक सर्व साधारण सूचित किया जाता है कि थाना मंगलवारा नगरीय भोपाल के मर्ग क्र. 01/26 धारा 194 बी एन एस एस मे एक अशोक नाम का व्यक्ति जिसका पिता व निवास अज्ञात है जो दिनाँक 28/5/26 को मृत अवस्था में आजाद मार्केट फुटपाथ मे मिलने से सूचक विरेन्द्र प्रजापति पिता बालमुकुंद प्रजापति उम्र 32 साल आजाद मार्केट मंगलवारा भोपाल की सूटना पर मर्ग सदर का कायम का जाँच में लिया गया है।

मृतक असोक के माता पिता परिजन व कहा का निवासी है जिसका कोई अता पता नहीं है जिसकी उम्र 50 साल है हुलिया इकहरा बदन आखे धसी हुई सिर के बाल भूरे काले काले रंग की टी शर्ट व काले रंग पेन्ट पहने है। जांचकर्ता मो. SI, जी. पी. पटेल 7049105236

अतः महोदय जी से निवेदन है कि दैनिक समाचार पत्रो में प्रकाशन किये जाने हेतु कृपा करें।

थाना प्रभारी

G-13624/26 "सायबर क्राइम सुरक्षा हेल्पलाइन नं. - 1930" थाना मंगलवारा भोपाल

वैभव सूर्यवंशी को लेकर पाकिस्तान में भी हलचल, मोहसिन ने कहा-

...खुदा न खास्ता, अगर हमारे खिलाड़ी से सामना हुआ तो एक ओवर में पड़ेंगे 6 छक्के

नई दिल्ली, एजेंसी

वैभव सूर्यवंशी इस वक्त यह नाम हर क्रिकेट फैन की जबान पर है। बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग के एलिमिनेटर मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (के इस 15 साल के बल्लेबाज ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ तूफानी पारी खेलते हुए सिर्फ 29 गेंदों पर 97 रन बनाए। सूर्यवंशी की इस तूफानी पारी की चर्चा सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि पाकिस्तान में भी खूब हो रही है और वहां के क्रिकेटर्स, खेल एक्सपर्ट्स वैभव की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। पाकिस्तान में वैभव सूर्यवंशी को कॉम्प्लान बॉय कहा जा रहा है। पूर्व क्रिकेटर और पाकिस्तानी क्रिकेट कोच बासित अली ने सूर्यवंशी की शानदार पारी को लेकर अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वो सूर्यवंशी को क्रिस गेल से भी अच्छा प्लेयर बताते नजर आ रहे हैं।

आईपीएल के इतिहास में सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम है जो पिछले 13 सालों से कायम है। गेल ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलते हुए 2013 में पुणे वॉरियर्स इंडिया के खिलाफ महज 30 गेंदों में ही शतक जड़ दिया था। इस कारनामे के लिए उन्हें यूनिवर्स बॉस कहा जाता है। सूर्यवंशी गेल का रिकॉर्ड तोडऩे ही वाले थे। 28 गेंदों पर 97 रन बना लिए थे और उन्हें इतिहास बनाने के लिए एक बड़े शॉट की जरूरत थी। लेकिन तभी प्रफुल्ल हिंगे की गेंद पर वो कैच आउट हो गए।

सूर्यवंशी भले ही शतक बनाते-बनाते रह गए लेकिन इतिहास बन चुका है। भारत के साथ-साथ पड़ोसी पाकिस्तान में भी उन्हें क्रिकेट का अगला सितारा कहा जाने लगा है। बासित अली ने कहा, गेल थे मिस्टर यूनिवर्स लेकिन अब तो यह बच्चा मिस्टर यूनिवर्स बन गया। कॉम्प्लान पीने वाला बबलू... आप कहते हैं कि मैं उन्हें सूर्यवंशी कहा करूं। क्या ही बैटिंग की है...आने वाले दिनों में गेल का रिकॉर्ड भी तोड़ देगा यह बच्चा।

पाकिस्तानी क्रिकेटरों, शर्म कर लो

पाकिस्तान के एक यूट्यूब चैनल पर स्पोर्ट्स एंकर ने कहा कि सूर्यवंशी की वजह से पाकिस्तान में आईपीएल का खुमार सबके सिर चढ़कर बोल रहा है। एंकर ने कहा, वैभव सूर्यवंशी ने जो कर दिखाया है, वो पाकिस्तान में भी ट्रेंड कर रहा है। हमारे यहां आईपीएल बैन है, इसके बावजूद, पाकिस्तानी वीपीएन के जरिए बार-बार सूर्यवंशी के उस इनिंग को देख रहे हैं और हमारे क्रिकेटर्स को शर्म दिला रहे हैं कि शर्म कर लो। उन्होंने आगे कहा, हमारे स्टार बॉलर हारिस रऊफ जो बोलते हैं न कि हमारे लिए वैभव सूर्यवंशी कुछ भी नहीं है। खुदा न खास्ता, अगर कभी वैभव और शाहीन (पाकिस्तानी बॉलर) का सामना हो गया, वैभव और रऊफ का सामना हो गया, 6 बॉल में 6 छक्के तय हैं। पाकिस्तान में वहीं, कुछ लोग सूर्यवंशी की तारीफ तो कर रहे हैं लेकिन साथ ही उनकी उम्र पर उंगली उठा रहे हैं। पाकिस्तान से वरिष्ठ खेल पत्रकार अब्दुल गफार ने एक्स पर लिखा, मुझे नहीं लगता कि वैभव केवल 15 साल के हैं। वो घरेलू और आईपीएल में जो कर रहे हैं, अच्छा है लेकिन उनकी असली परीक्षा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में होगी। असल इम्तिहान अभी बाकी है।

पेट कमिंस को भी आसानी से खेल गए वैभव सूर्यवंशी

स्पोर्ट्स एंकर मीराब जीशान के शो में पाकिस्तान के स्पोर्ट्स एनालिस्ट मोहम्मद मोहसिन ने भी वैभव सूर्यवंशी की काफी तारीफ की और कहा कि वो बहुत मेहनती प्लेयर हैं। उन्होंने कहा, इस तरह का क्रिकेट न तो मैंने कभी देखा था और न ही सोचा था। ऐसा कोई खेल भी नहीं सकता। सूर्यवंशी के पास यह टैलेंट गॉड गिफ्टेड है जिसे उन्होंने मेहनत से संवारा है। सूर्यवंशी के पास हर गेंद को खेलने का माद्दा है।।। कोई गेंद ऐसी नहीं बनी उनके लिए जिसे वो खेल न सके। पेट कमिंस तक को खेल गया। दबाव में खेलना तो उसकी जीन में ही नहीं है। पाकिस्तानी एनालिस्ट ने कहा कि वैभव चाहते तो 97 पर पहुंचने के बाद अपना शतक पूरा करने का इंतजार कर सकते थे लेकिन उन्होंने बस अपना गेम खेला। उन्होंने कहा, वो बिल्कुल इस बात से परेशान नहीं है कि मैं 93 पर आउट हो रहा हूं या 97 पर। उसे पता है कि फिर से खेलने को मिलेगा। उसके लिए सबकुछ आसान है, नॉर्मल है। वो दिलेर है, मेहनती है और दिमाग में फिट है कि उसे क्या करना है। आज ईद है, और मैं सबके साथ उसका मैच देख रहा थामैंने कह दिया था कि जब तक ये आउट नहीं होता, खाना नहीं खाऊंगा। अगर किसी को मैच नहीं देखना तो जाकर ड्रॉइंग रूम में मेरा इंतजार करे।

सुप्रीम कोर्ट ने डब्ल्यूएफआई को दिया बड़ा झटका, कहा-

फोगाट मैट पर लौटेंगी, कोर्ट ने कहा- आप शानदार रेसलर हैं

नई दिल्ली , एजेंसी

भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें 2026 एशियन गेम्स के चयन ट्रायल्स में हिस्सा लेने की अनुमति दे दी। ये ट्रायल्स 30 और 31 मई को आयोजित होने हैं। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने यह आदेश उस याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया, जिसे भारतीय कुश्ती महासंघ ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर किया था। हाईकोर्ट ने पहले ही विनेश फोगाट को ट्रायल्स में भाग लेने की इजाजत दी थी।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि विनेश फोगाट का मामला सामान्य खिलाडिय़ों से अलग है, क्योंकि उन्होंने देश को कई मौकों पर गौरवान्वित किया है। कोर्ट ने कहा, अगर कोई और खिलाड़ी होता तो मामला अलग होता। उन्होंने देश का नाम रोशन किया है। हालांकि, कोर्ट ने खेल मामलों में बार-बार न्यायिक हस्तक्षेप को लेकर चिंता भी जताई। जस्टिस नरसिम्हा ने कहा, आप शानदार रेसलर हैं, आपने देश को गर्व महसूस कराया है, लेकिन देश पहले है। हाईकोर्ट पूरे शेड्यूल को बाधित नहीं कर सकता।

हाईकोर्ट के फैसले पर सवाल

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के तरीके पर भी सवाल उठाए। कोर्ट ने कहा कि खेल प्रशासन में इस तरह तेजी से हस्तक्षेप करने से पूरे स्पोर्ट्स सिस्टम और शेड्यूल पर असर पड़ सकता है। दरअसल, पिछले हफ्ते दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा था कि मातृत्व को किसी खिलाड़ी के करियर में अक्षम्यता या बाहर करने का आधार नहीं बनाया जा सकता। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने डब्ल्यूएफआई को निर्देश दिया था कि विनेश फोगाट को ट्रायल्स में हिस्सा लेने दिया जाए। अब सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल विनेश को राहत देते हुए ट्रायल्स में खेलने की मंजूरी दे दी है, लेकिन साथ ही डब्ल्यूएफआई की याचिका पर उनका जवाब भी मांगा है। मामले की अगली सुनवाई अगले हफ्ते होगी। इस फैसले के बाद अब सभी की नजरें 30-31 मई को होने वाले ट्रायल्स पर टिकी हैं, जहां विनेश फोगाट एक बार फिर मैट पर अपनी दावेदारी पेश करती नजर आएंगी।

सूर्यवंशी की पारी पर भारी पड़ी गिल-सुदर्शन की साझेदारी, खिताब से एक कदम दूर जीटी

नई दिल्ली, एजेंसी

कप्तान शुभमन गिल की कप्तानी पारी और साई सुदर्शन के साथ पहले विकेट के लिए की गई साझेदारी के दम पर गुजरात टाइटंस ने क्वालिफायर-2 मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को सात विकेट से हराया। गुजरात ने इसके साथ ही आईपीएल 2026 के फाइनल में जगह पक्की कर ली है। राजस्थान ने वैभव सूर्यवंशी की शानदार पारी के दम पर 20 ओवर में छह विकेट पर 214 रन बनाए। जवाब में गुजरात ने 18.4 ओवर में तीन विकेट पर 219 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। राजस्थान का सफर इस तरह क्वालिफायर-2 में ही थम गया। गुजरात टाइटंस ने इस तरह तीसरी बार आईपीएल के फाइनल में प्रवेश कर लिया। इससे पहले टीम ने साल 2022 (विजेता) और 2023 (उपविजेता) में खिताबी मुकाबला खेला था। अब गुजरात का सामना 31 मई यानी रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा।

तीसरी बार शतक से चूके वैभव

वैभव ने एक छोर से पारी को संभाले रखा और एलिमिनेटर के बाद इस मैच में भी दमदार प्रदर्शन किया। हालांकि, वह लगातार दूसरे मैच में शतक लगाने से चूक गए और 47 गेंदों पर आठ चौकों और सात छक्कों की मदद से 96 रन बनाकर आउट हुए। वैभव इस सीजन में तीसरी बार नर्वस 90 का शिकार हुए और शतक लगाने से चूक गए। वैभव सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में 97 रन बनाकर आउट हुए थे और अब इस मैच में भी वह शतक लगाने से चार रन दूर रह गए। वैभव उन बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गए हैं जो एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा बार शतक से चूके हैं।

अब और नहीं...', हार्दिक पंड्या ने तोड़ा एमआई से रिश्ता?

अंदरखाने के विवाद ने मचाई सनसनी

मुंबई, एजेंसी

हार्दिक पंड्या और मुंबई इंडियंस (एमआई) का रिश्ता अब टूटने की कगार पर पहुंच चुका है। रिपोर्ट्स के मुताबिक आईपीएल 2026 के निराशाजनक सीजन के बाद हार्दिक पंड्या मानसिक रूप से बेहद थक चुके हैं और उन्होंने फ्रेंचाइजी छोडऩे का फैसला कर लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, 32 साल के हार्दिक ने टूर्नामेंट के बीच में ही मुंबई इंडियंस मैनेजमेंट को अपने फैसले की जानकारी दे दी थी। बताया जा रहा है कि लगातार खराब प्रदर्शन, टीम पर बढ़ता दबाव और आलोचनाओं ने हार्दिक को पूरी तरह झकझोर दिया। हार्दिक ने आईपीएल 2024 में रोहित शर्मा की जगह मुंबई इंडियंस की कप्तानी संभाली थी। लेकिन उनके नेतृत्व में टीम लगातार उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। आईपीएल 2026 में भी मुंबई इंडियंस का अभियान बेहद खराब रहा और टीम प्लेऑफ की दौड़ से काफी पहले बाहर हो गई।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जब मुंबई इंडियंस की प्लेऑफ की उम्मीदें लगभग खत्म हो गईं, तब हार्दिक और फ्रेंचाइजी के बीच आपसी सहमति से अलग होने पर बातचीत शुरू हुई। सूत्रों के मुताबिक दोनों पक्ष अब म्यूचुअल पार्टिंग की दिशा में आगे बढ़ चुके हैं।

सूत्रों का कहना है कि हार्दिक सिर्फ खराब रिजल्ट्स से ही परेशान नहीं थे, बल्कि लगातार मानसिक दबाव और ड्रेसिंग रूम के माहौल ने भी उन्हें भीतर से तोड़ दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक उन्हें पीठ की चोट भी परेशान कर रही थी। एक आईपीएल सूत्र ने कहा, हार्दिक मानसिक रूप से पूरी तरह थक चुके थे। प्लेऑफ की उम्मीदें खत्म होते ही उन्होंने साफ कर दिया कि वह अगले सीजन में एमआई के साथ नहीं रहेंगे।

हार्दिक को सीनियर खिलाड़ियों ने किया निराश

दरअसल, रोहित शर्मा की जगह कप्तानी संभालने के बाद से ही हार्दिक को फैन्स की नाराजगी का सामना करना पड़ा। पिछले दो सीजन में कई स्टेडियमों में उन्हें हूटिंग झेलनी पड़ी। हालांकि बाहर से वह खुद को मजबूत दिखाते रहे, लेकिन अंदर ही अंदर यह सब उन पर असर डाल रहा था। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि 2021 में जिस माहौल को छोड़कर हार्दिक गए थे, 2024 में वापसी पर उन्हें वैसा ड्रेसिंग रूम नहीं मिला। टीम के कई सीनियर खिलाड़ी एक राय पर नहीं थे। सूत्र के मुताबिक, जब टीम में हर कोई अलग दिशा में सोचने लगे, तो कप्तान के लिए सबकुछ संभालना बेहद मुश्किल हो जाता है। इतना ही नहीं, हार्दिक को इस बात ने भी काफी निराश किया कि जिन सीनियर खिलाड़ियों ने भारतीय टीम में उनसे 100 प्रतिशत कमिटमेंट की उम्मीद की, वही खिलाड़ी फ्रेंचाइजी में उनके नेतृत्व के दौरान पूरी तरह साथ खड़े नहीं दिखे।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

स्टार्स के नहीं होने का नुकसान है

फरहान-रणवीर की लड़ाई पर बोलीं जोया

बॉलीवुड में इस समय धुरंधर एक्टर रणवीर सिंह और फिल्ममेकर-एक्टर फरहान अख्तर के बीच झगड़ा चल रहा है। ये पूरी लड़ाई रणवीर के डॉन-3 छोडऩे के बाद शुरू हुई, तभी से दोनों के रिश्ते बिगड़ गए। अब इस बीच जिंदगी न मिलेगी दोबारा, गली बॉय और दिल धड़कने दो जैसी कई बेहतरीन फिल्में बनाने वाली डायरेक्टर और फरहान अख्तर की बहन जोया अख्तर ने भारत में इंडी फिल्मों के माहौल और भारत के स्टार सिस्टम के फायदों और नुकसानों के बारे में बात की है।

दरअसल जोया अख्तर काफी समय से इंडिपेंडेंट फिल्मों को बढ़ावा दे रही हैं। इन छिपे हुए हीरों में सबसे नई फिल्म है सिक्किम की शेप ऑफ मोमो, जिसे पहली बार फिल्म बना रहीं त्रिबेनी राय ने डायरेक्ट किया है। यह फिल्म इस हफ्ते सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। भारत की मशहूर इंडिपेंडेंट फिल्मों के बारे में हिंदुस्तान टाइम्स से बात करते हुए जोया कहती हैं, ये फिल्में कभी-कभार ही आती थीं, लेकिन अब ऐसा ज्यादातर होने लगा है। चाहे वह विलेज रॉकस्टार्स हो, कान फिल्म फेस्टिवल में ऑल वी इमेजिन एज लाइट हो, बोंग हो, या सनडांस फिल्म फेस्टिवल में सबार बोंडा हो, ऐसा लगातार हो रहा है। अब तक, ऐसी फिल्में ज्यादातर जाने-माने फिल्ममेकर्स के सपोर्ट की वजह से ही सिनेमाघरों तक पहुंच पाई हैं। जोया कहती हैं, फिल्ममेकर्स हमेशा से एक-दूसरे को सपोर्ट करते आए हैं, और यह सिलसिला कभी रुकेगा नहीं। लेकिन वह इस बात से भी सहमत हैं कि इंडी फिल्मों के लिए एक संस्थागत सपोर्ट की भी जरूरत है। वह तर्क देती हैं, लोग अब इस बात को समझने लगे हैं। इसे अपना सही तालमेल मिल ही जाएगा। एक ऐसा डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम होना चाहिए जो सीधे दर्शकों तक पहुंचे, क्योंकि इन फिल्मों के लिए दर्शक जरूर मौजूद हैं। हमें इन फिल्मों को उन दर्शकों तक पहुंचाना होगा, और फिर ये फिल्में जरूर कामयाब होंगी।

हम एक स्टार-ड्रिवेन इंडस्ट्री हैं- जोया

गली बॉय और जिंदगी न मिलेगी दोबारा जैसी कमर्शियल हिट फिल्में बनाने वाली डायरेक्टर जोया मानती हैं कि बॉलीवुड एक ऐसी इंडस्ट्री है जिस पर उसके सितारों का ही दबदबा और राज चलता है। वह कहती हैं, हम एक स्टार-ड्रिवेन इंडस्ट्री हैं, और इस स्टार सिस्टम के अपने फायदे और नुकसान हैं। इसका फायदा यह है कि हॉलीवुड के आने के बाद भी हम टिके रहे। हमारे अपने सितारे हैं, और हमें उन्हें देखना पसंद है। इसी स्टार सिस्टम की वजह से हमारी इंडस्ट्री का माहौल इतना शानदार है।

मैजिक देखने के लिए तैयार हो जाइए, मृणाल ठाकुर ने दिया खास प्रोजेक्ट का हिंट

मुंबई। अभिनेत्री मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी आगामी कॉमेडी फिल्म है जवानी तो इश्क होना है की रिलीज का इंतजार कर रही हैं। इस बीच उन्होंने खुलासा किया है कि वह किसी बहुत खास प्रोजेक्ट के लिए डबिंग कर रही हैं और जल्द ही इसकी घोषणा करेंगी। मृणाल ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी सेक्शन पर डबिंग स्टूडियो से एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह कहती नजर आ रही हैं, ऑल राइट, लेट्स गो! उन्होंने वीडियो के साथ लिखा, कुछ बहुत-बहुत खास के लिए डबिंग कर रही हूं! उस जादू को देखने का इंतजार नहीं कर सकती, जिसे हमने बनाया है। मेरा दिल बेहद भावुक है और मैं भगवान की बहुत आभारी हूं! जल्द ही घोषणा करूंगी। है जवानी तो इश्क होना है जून में रिलीज होने जा रही है। डेविड धवन के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक ऐसे लड़के की कहानी है, जिसे कई लड़कियों ने रिजेक्ट कर दिया था। वह अकेलेपन के साथ जिंदगी बिता रहा था लेकिन फिर कुछ ऐसा होता है कि उसके जीवन में बड़े बदलाव आते हैं।

जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि है जवानी तो प्यार होना है डेविड धवन की फिल्म बीवी नंबर 1 का एक सुपरहिट गाना है, जिसमें सलमान खान, करिश्मा कपूर और सुष्मिता सेन नजर आए थे।

माना जा रहा है कि आने वाली इस फिल्म का नाम इसी लोकप्रिय गाने से प्रेरित है। यह डेविड धवन की आखिरी फिल्म होगी। उन्होंने हिंदी सिनेमा में अपने करियर की शुरुआत 1989 में फिल्म ताकतवर से की थी। डेविड धवन ने अपने करियर में 45 फिल्मों का निर्देशन किया है। इनमें आंखें, बीवी नंबर 1, जुड़वा, कुली नंबर 1, हीरो नंबर 1, दीवाना मस्ताना, शोला और शबनम, राजा बाबू, बड़े मियां छोटे मियां, हसीना मान जाएगी, दुल्हन हम ले जाएंगे शामिल हैं।

मेट्रो बाजार

पश्चिम एशिया में तनाव का असर! अप्रैल में घरेलू हवाई यात्री यातायात 2% घटा

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में तनाव के चलते देश में अप्रैल में घरेलू हवाई यात्री यातायात में सालाना आधार पर 2 प्रतिशत की कमी देखने को मिली थी। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। एविएशन सेक्टर पर जारी आईसीआरए की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक,भारत में अप्रैल 2026 में 1.40 करोड़ यात्रियों ने घरेलू उड़ान भरी थी, पिछले वर्ष समान अवधि में यह आंकड़ा 1.43 करोड़ था।

रिपोर्ट में कहा गया कि अप्रैल 2026 में एयरलाइन क्षमता तैनाती में सालाना आधार पर 0.6 प्रतिशत की कमजोरी आई है और मार्च 2026 के मुकाबले 1.4 प्रतिशत की कमी आई है। वित्त वर्ष 2025-26 में घरेलू स्तर पर 16.77 करोड़ यात्रियों ने उड़ान भरी थी। इसमें सालाना आधार पर मामूली 1.4 प्रतिशत की मजबूती आई है। भारतीय विमानन कंपनियों के लिए अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्री यातायात वित्त वर्ष 2026 के दौरान मासिक आधार पर भी घरेलू हवाई यात्री यातायात में 2 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है, जो कि मार्च में 1.43 करोड़ था।

रिपोर्ट में कहा गया कि अप्रैल 2026 में एयरलाइन क्षमता तैनाती में सालाना आधार पर 0.6 प्रतिशत की कमजोरी आई है और मार्च 2026 के मुकाबले 1.4 प्रतिशत की कमी आई है। वित्त वर्ष 2025-26 में घरेलू स्तर पर 16.77 करोड़ यात्रियों ने उड़ान भरी थी। इसमें सालाना आधार पर मामूली 1.4 प्रतिशत की मजबूती आई है। भारतीय विमानन कंपनियों के लिए अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्री यातायात वित्त वर्ष 2026 के दौरान 3.9 प्रतिशत बढ़कर 3.5 करोड़ यात्रियों तक पहुंच गया, जो एजेंसी के पहले के 7-9 प्रतिशत वृद्धि के अनुमान से कम है। आईसीआरए ने कहा है कि उसने मार्च 2026 में भारतीय विमानन उद्योग के अपने दृष्टिकोण को स्थिर से संशोधित करके नकारात्मक कर दिया है। इसका कारण विमानन टर्बाइन ईंधन (एटीएफ) की बढ़ती कीमतों, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए के अवमूल्यन और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक संघर्ष बढऩे के बाद अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र की उपलब्धता में व्यवधान के कारण मुनाफे में संभावित कमजोरी है।

टेस्ला ने भारत में मॉडल वाई प्रीमियम रियर-व्हील ड्राइव को पेश किया

नई दिल्ली। अमेरिकी कार कंपनी टेस्ला ने शुक्रवार को भारत में नया मॉडल वाई प्रीमियम रियर-व्हील ड्राइव (आरडब्ल्यूडी) मॉडल को पेश किया। इसकी शुरुआती एक्स शोरूम कीमत 50.89 लाख रुपए रखी गई है और इसकी डिलीवरी जुलाई 2026 से शुरू हो जाएगी। इसके जरिए टेस्ला की कोशिश भारतीय बाजारों में पैठ जमाना है। अब तक कंपनी बाजार में कुछ खास मुकाम हासिल नहीं कर पाई है। टेस्ला के मुताबिक, मॉडल वाई के इस नए वैरिएंट में ऑल-ब्लैक इंटीरियर मिलेगा। साथ ही, इसमें पहली पंक्ति में बेहतर रिस्पॉन्सिवनेस के साथ 16 इंच का बड़ा टचस्क्रीन लगा हुआ और वैकल्पिक जेन ग्रे इंटीरियर थीम मौजूद है। इस मॉडल में 2,138 लीटर तक की स्टोरेज क्षमता उपलब्ध है और अतिरिक्त कार्गो स्पेस के लिए पावर-फोल्डिंग सीटों के साथ इसमें पांच यात्रियों तक को बैठाया जा सकता है। यह गाड़ी 5.9 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकती है और

डब्ल्यूएलपीटी मानकों के अनुसार 500 किमी तक की ड्राइविंग रेंज प्रदान करता है। मॉडल वाई प्रीमियम रियर-व्हील ड्राइव और छह सीटों वाली मॉडल वाई एल, दोनों को एनएचटीएसए, आईआईएचएस, यूरो एनकैप, एएनकैप और सी-आईएएसआई सहित कई वैश्विक सुरक्षा संगठनों से सर्वोच्च सुरक्षा रेटिंग प्राप्त हुई है।

जापान में बुरी शक्तियों से रक्षा के लिए उतरे देवताओं के रथ, 300 साल पुरानी है परंपरा

इटोडा गियॉन यामाकासा उत्सव

टोक्यो। जापान के फुकुओका प्रांत में करीब 300 साल पुराना ऐतिहासिक 'इटोडा गियाँन यामाकासा' उत्सव शुरू हो गया है। इस परंपरा का मुख्य उद्देश्य वायरस और घातक महामारियों से समुदाय की रक्षा करना है। मान्यता है है कि इस आयोजन से इलाके की बीमारियां, खतरनाक वायरस और नकारात्मक शक्तियां दूर होती हैं। इलाक इस उत्सव का मुख्य आकर्षण 'ओयामा' कहे जाने वाले विशालकाय पहियेदार रथ (फ्लोट्स) हैं। रोशनी से सजे इन 9 भव्य रथों को चलाने के लिए करीब 500 से अधिक स्थानीय युवा अपना दमखम दिखाते हैं। प्रत्येक रथ को 50 से 100 युवाओं की टोली खींचती है। करीब 10 मीटर ऊंचे इन रथों के रखरखाव और आयोजन पर स्थानीय समुदाय लाखों रुपए खर्च करता है। रात के समय सैकड़ों लालटेनों से जगमगाते ये रथ आस्था के साथ-साथ जापानी इंजीनियरिंग और एकता का अद्भुत उदाहरण पेश करते हैं।

पासिंग-आउट परेड में बोले सेना प्रमुख

ऑपरेशन सिंदूर ने बताया भारत उकसावे का जवाब कैसे देता है

पुणे, एजेंसी

पुणे के खडकवासला स्थित एनडीए में 150वें कोर्स की पासिंग-आउट परेड की समीक्षा जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने की। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह साबित कर दिया कि जब राष्ट्र की इच्छाशक्ति सटीकता और दृढ़ संकल्प के साथ व्यक्त होती है, तो भारत उकसावे का जवाब किस तरह देता है। उन्होंने कहा कि इस अभियान ने देश की सैन्य प्रतिक्रिया का नया मानक स्थापित किया है और अब इस मानक को बनाए रखने की जिम्मेदारी युवा सैन्य अधिकारियों की होगी।

परेड को संबोधित करते हुए जनरल द्विवेदी ने कहा कि आज की दुनिया में सुरक्षा चुनौतियां तेजी से बदल रही हैं। खतरे अब हमेशा वर्दी पहनकर या किसी घोषित मोर्चे से नहीं आते। विवादित ग्रे-जोन से लेकर तेज रफ्तार हाइब्रिड युद्ध तक, मौजूदा सुरक्षा वातावरण में सैनिकों को त्वरित और रणनीतिक सोच के साथ कार्य करना होगा।

कैडेट्स के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए दी बधाई: सेना प्रमुख ने परेड कमांडर और सभी कैडेट्स की उत्कृष्ट ड्रिल और अनुशासन की सराहना की। उन्होंने चीता स्क्वाड्रन को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए विजेता बैनर हासिल करने पर विशेष प्रशंसा व्यक्त की। जनरल द्विवेदी ने 12 मित्र देशों से आए 24 विदेशी कैडेट्स का भी उल्लेख किया, जो इस कोर्स के साथ पास आउट हुए। उन्होंने कहा कि आप भले ही अलग-अलग देशों और संस्कृतियों से आए हों, लेकिन यहां से आप समान मूल्यों, समान प्रशिक्षण और समान उद्देश्य के साथ निकल रहे हैं। एनडीए के 150वें कोर्स की यह पासिंग-आउट परेड भारतीय सशस्त्र बलों में शामिल होने जा रहे युवा अधिकारियों के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव रही, जहां सेना प्रमुख ने उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने और ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों से मिली प्रेरणा को आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

यहां जो शुरुआत होती है वह जीवनभर साथ देती है

इस अवसर को भावुक और व्यक्तिगत बताते हुए जनरल द्विवेदी ने याद किया कि वे स्वयं 42 वर्ष पहले इसी क्वार्टरडेक से पास आउट हुए थे। उन्होंने कहा कि आज मैं वर्दी में अपने जीवन के अंतिम पड़ाव पर खड़ा हूं, जबकि आप अपनी सैन्य यात्रा शुरू करने जा रहे हैं। मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि यहां जो शुरुआत होती है, वह जीवनभर साथ रहती है।

कंधे से कंधा मिलाकर देश की सेवा करनी होगी

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दिखाई गई तीनों सेनाओं की समन्वित और एकीकृत प्रतिक्रिया उसी संयुक्तता का परिणाम थी, जिसकी नींव एनडीए में पहले दिन से रखी जाती है। उन्होंने कैडेट्स से कहा कि भविष्य में चाहे वे किसी भी सैन्य सेवा में जाएं, उन्हें फिर से कंधे से कंधा मिलाकर देश की सेवा करनी होगी।

पेज 1 से जारी...

खोजी रिपोर्ट के लिए संस्थानों को अधिक खर्च भी करना पड़ेगा

असली समस्या यह है कि आधुनिक तकनीक, प्रिंटिंग का खर्च और न्यूजप्रिंट के मूल्य लगातार बढ़ने से बड़े प्रभावशाली कहे जाने वाले अखबार के प्रबंधन घाटे और मुनाफे पर अधिक ध्यान देने लगे। कुछ हद तक राजनीतिक सत्ता का प्रभाव भी इन अखबारों पर पड़ा। इस संदर्भ में देश के सबसे बड़े प्रकाशन समूह टाइम्स ग्रुप ने मुनाफे को ही सर्वाधिक महत्व देने और अखबार को चटपटा, मसालेदार तथा अंग्रेजी में उपलब्ध सामग्री के अनुवाद को प्रोत्साहित करने की नीति अपनाई जिसका असर अन्य हिंदी अखबारों पर भी पड़ा। लेकिन प्रादेशिक और स्थानीय कम प्रसार संख्या वाले अखबार बहुत हद तक व्यावसायिक नहीं हुए और पाठकों के बीच स्थानीय समाचारों और उपयोगी सामग्री के जरिए अपना स्थान बनाए हुए हैं। यह कहा जा सकता है कि महानगरों का एक बड़ा वर्ग और युवा पीढ़ी इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के आने के बाद अखबारों में कम दिलचस्पी ले रही है। लेकिन छोटे कस्बों और गांवों में आज भी अखबार पढ़ने की रुचि बनी हुई है। ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में साक्षरता बढ़ने से अखबारों के लिए अब भी संभावनाएं दिखाई देती हैं। सरकारों खासकर नौकरशाहों ने यह गलत धारणा बना रखी है कि अब लोग अखबार, पत्रिका या पुस्तकें नहीं पढ़ना चाहते हैं। वह भूल जाते हैं कि अमेरिका या जापान जैसे आधुनिक संपन्न देशों में भी अखबारों की प्रसार संख्या अच्छी-खासी है। वास्तव में प्रकाशकों और संपादकों पर यह निर्भर है कि वह बाजार से प्रभावित न होकर ऐसी सामग्री पाठकों को उपलब्ध कराएं जो सामान्यतः टेलीविजन पर भी नहीं मिल सकती। पश्चिमी देशों की तरह भारत में अलग से टैबलाइट अखबार भी निकले लेकिन दुर्भाग्य से कई अखबार सनसनीखेज सामग्री और फोटो आदि से टैबलाइट की तरह अखबार का स्तर गिराने लगे। वहीं मशीन, प्रिंटिंग और प्रसार व्यवस्था पर अधिकाधिक धन खर्च किया जा रहा है लेकिन समाचारों के संकलन और समर्पित पत्रकारों पर खर्च कम से कम करने की प्रवृत्ति बढ़ती गई है। इसका असर गुणवत्ता पर पड़ रहा है।

इन दिनों मीडिया की शक्ति और स्वायत्तता को लेकर भी निरंतर सवाल उठ रहे हैं। जहां तक शक्ति का सवाल है, प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अथवा सोशल मीडिया की बात है, उसके व्यापक असर के कारण ही हजारों करोड़ की पूंजी लग रही है और कोई भी सरकार हो उसका यथासंभव उपयोग करने का प्रयास भी करती है। यही नहीं, विदेशी शक्तियां भी भारतीय मीडिया को प्रभावित करने के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से पूंजी लगा रही हैं। बड़े कार्पोरेट घरानों के प्रभाव को लेकर बहुत शोर मचता है लेकिन हम भूल जाते हैं कि 80 के दशक तक दिल्ली, मुंबई, कोलकाता तक मीडिया संस्थानों पर बिड़ला, डालमिया, टाटा के प्रभाव की चर्चा शक्तिशाली प्रधानमंत्री करते थे। इसे जूट प्रेस कहा जाता था। सत्ता के दबाव तब भी थे। मैंने पत्रकारिता पर अपनी पुस्तकों पावर, प्रेस एंड पॉलिटिक्स, कलम के सेनापति, भारत में पत्रकारिता, इंडियन जर्नलिज्मः कीपिंग इट्स क्लीन में इस मुद्दे पर प्रामाणिक तथ्यों के साथ विवरण दिया है। सत्ता की राजनीति ने पत्रकारिता को पहले भी प्रभावित किया था और आज भी कर रही है। इसलिए मुद्दा यह भी है कि सरकारों को बनाने या हटाने की भूमिका जो अखबार या मीडिया निभाता है उसका असर विश्वसनीयता पर पड़ता है। यदि लक्ष्य केवल प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या दल विशेष रहेगा तो स्वायत्तता कहां होगी। अन्यथा प्रामाणिक तथ्यों के साथ सरकार की गड़बड़ियों या जनता की समस्याओं को प्रकाशित या प्रसारित करने पर दबाव नहीं पड़ सकता है। खोजी रिपोर्ट के लिए संस्थानों को अधिक खर्च भी करना पड़ेगा। नई पीढ़ी को जोड़ने के लिए मीडिया संस्थानों की वेबसाइट और प्रकाशित सामग्री के सोशल मीडिया पर उपलब्ध किए जाने के प्रयास किए जा सकते हैं, और कुछ हद तक हो भी रहे हैं। इस दृष्टि से ग्रामीण क्षेत्रों में हिंदी और भारतीय भाषाओं के अखबारों की संभावना बनी रहेगी। यही बात वैकल्पिक मीडिया यानी सोशल मीडिया पर लागू होती है। जो अच्छी सामग्री उपलब्ध कराएगा उसका भविष्य भी सुरक्षित रहेगा।

न्यूज विंडो

ड्रग तस्करी: अमेरिका ने नाव पर किया हमला: तीन की मौत

वॉशिंगटन। अमेरिकी सेना ने पूर्वी प्रशांत महासागर में ड्रग तस्करी के संदेह में एक नौका पर एक और हमला किया। इस हमले में तीन लोगों की मौत हो गई, जो इस सप्ताह का तीसरा हमला था। इस कार्रवाई के साथ ही इस अभियान में कुल हताहतों का आंकड़ा 200 से अधिक हो गया है। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने कैरेबियन सागर और पूर्वी प्रशांत महासागर में संदिग्ध ड्रग नौकाओं के खिलाफ जारी महीनों लंबी कार्रवाई के तहत इस नए हमले का एलान किया। कमान के अनुसार, नौका नशीले पदार्थों की तस्करी में जुड़ी हुई थी और एक बड़े आतंकवादी संगठन द्वारा इस्तेमाल की जा रही थी। हालांकि, इस दावे के समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया गया।

तमिलनाडु में जातीय हिंसा: सात लोग घायल, जांच में जुटी पुलिस

चेन्नई। तमिलनाडु के तेनकासी जिले में एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जहां कथित तौर पर एक नकाबपोश गिरोह ने दलित समुदाय के लोगों पर हमला कर दिया। पुलिस के अनुसार, इस हमले में सात लोग घायल हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक, नौ सदस्यीय नकाबपोश गिरोह दोपहिया वाहनों पर सवार होकर तेनकासी के नेट्टूर गांव पहुंचा। आरोप है कि हमलावरों ने धारदार हथियारों (हंसिया) से लोगों पर अंधाधुंध हमला किया। हमला करने के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। घिटना में घायल हुए सात लोगों को इलाज के लिए नजदीकी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत पर नजर रखी जा रही है। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर लिया है जांच शुरू कर दी है।

महाराष्ट्र : बस और बाइक की टक्कर में चार लोगों की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के परभनी जिले में एक मोटरसाइकिल और एक निजी बस के बीच भीषण टक्कर हुई। इसमें चार लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी एक अधिकारियों ने शनिवार को दी। अधिकारियों ने बताया कि टक्कर का प्रभाव बेहद भीषण था, जिससे मोटरसाइकिल पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। यह दुर्घटना व्यस्त परभनी-पाथरी मार्ग पर राहुल गिनिंग के पास, अंधारवाड़ मारुति मंदिर क्षेत्र के नजदीक हुई।

अधिकारियों के अनुसार, निजी बस परभणी से पुणे की ओर जा रही थी, तभी कथित तौर पर विपरीत दिशा से आ रही एक मोटरसाइकिल से उसकी टक्कर हो गई। तेज धमाके की आवाज सुनकर स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि कुछ ही देर बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब उत्तेजित भीड़ ने कथित तौर पर दुर्घटना में शामिल निजी बस को नुकसान पहुंचाया। पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए हस्तक्षेप किया, जिसके बाद स्थिति नियंत्रण में आ गई। स्थानीय निवासियों की सहायता से पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया। अधिकारियों ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटा दिया और यातायात को बहाल करने के प्रयास शुरू कर दिए।

चीन की नई चाल: परमाणु मिसाइल साइट्स के पास लॉन्च पैड और बंकर बना रहा, सैटेलाइट तस्वीरों से खुलासा

नई दिल्ली/बीजिंग, एजेंसी

चीन शिनजियांग के वीरान रेगिस्तान में गुपचुप तरीके से एक विशाल सैन्य ठिकाना बना रहा है। रक्षा और सुरक्षा मामलों के विशेषज्ञों का मानना है कि इस खुफिया ठिकाने का मकसद अमेरिका के पहले परमाणु हमले को रोकना है, ताकि हमले के बाद भी चीन के परमाणु हथियार पूरी तरह नष्ट न हो पाएं। सीधे शब्दों में कहें, तो चीन खुद को इस कदर सुरक्षित कर रहा है कि वह पलटवार करने की अपनी ताकत को हर हाल में बचा सके।

चीन की परमाणु मिसाइलें आज भी अमेरिका के किसी भी शहर को अपना निशाना बना सकती हैं। लेकिन न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की हालिया सैटेलाइट से पता चलता है कि बीजिंग भूमिगत कुओं के पास लॉन्च पैड, बंकरों और संचार केंद्रों का जाल बुन रहा है, जहां उसकी सबसे लंबी दूरी की मिसाइलें तैनात हैं।

वीरान रेगिस्तान में सैन्य किला: विशेषज्ञों के

अनुसार, यह नया सैन्य ढांचा शिनजियांग के पूर्वी रेगिस्तान में बने दो अष्टकोणीय ठिकानों के इर्द-गिर्द केंद्रित है। सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि इन अष्टकोणीय ढांचों के भीतर सैन्य वाहनों और सैनिकों के रहने की व्यवस्था है। इनके चारों तरफ बख्तरबंद बंकर, हथियारों के गोदाम, हवाई पट्टियां और रेलवे लाइनें बिछी हुई हैं जो इन्हें मुख्य परमाणु मिसाइल साइलो से जोड़ती हैं।

तस्वीरों का विश्लेषण करने वाले तीन सुरक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक, इस बंजर इलाके में मोबाइल मिसाइल लॉन्चर और वायु रक्षा बैटरियों के इस्तेमाल के लिए 80 से अधिक कंक्रीट पैड तैयार किए जा चुके हैं। इसके अलावा यहां ऐसे उपकरण और इमारतें देखी गई हैं जो इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, उपग्रह संचार और कमांड ऑपरेशंस के लिए इस्तेमाल की जा सकती हैं।

इस निर्माण का पैमाना इतना बड़ा है कि इसने दशकों से हथियारों पर नजर रखने वाले अनुभवी विश्लेषकों को भी चौंका दिया है। फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स के न्यूक्लियर इंफॉर्मेशन प्रोजेक्ट के निदेशक हंस क्रिस्टेंसन कहते हैं कि मैंने अपनी पूरी जिंदगी में ऐसा कुछ नहीं देखा।

चिंताजनक आंकड़े

भारत के निजी अस्पतालों में सी-सेक्शन से 54 प्रतिशत बच्चों का जन्म

जम्मू-कश्मीर में 90% और तेलंगाना में 84% सिजेरियन डिलीवरी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के प्राइवेट अस्पतालों में अब सिजेरियन ऑपरेशन के जरिए बच्चों का जन्म होना नॉर्मल हो गया है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के नए आंकड़ों के अनुसार, देश के प्राइवेट अस्पतालों में होने वाली डिलीवरी में से 54% से अधिक मामले सिजेरियन के पाए गए हैं। इस मामले में कुछ राज्य बहुत आगे हैं। पश्चिम बंगाल के प्राइवेट अस्पतालों में यह आंकड़ा सबसे ज्यादा चिंताजनक है, जहां 87.7% बच्चों का जन्म ऑपरेशन से हुआ है। वहीं, तेलंगाना में 84% और आंध्र प्रदेश में 66% प्राइवेट डिलीवरी सिजेरियन दर्ज की गई हैं।

आधे से अधिक जन्म सिजेरियन के जरिए: देश के 27 राज्यों और दो बड़े केंद्र शासित प्रदेशों दिल्ली और जम्मू-कश्मीर में से 18 राज्यों में स्थिति यह है कि प्राइवेट अस्पतालों में होने वाले आधे से अधिक जन्म सिजेरियन के जरिए ही हो रहे हैं। अगर सरकारी और प्राइवेट दोनों अस्पतालों को मिला दिया जाए, तो भी कुछ राज्यों में कुल सिजेरियन का आंकड़ा बहुत ज्यादा है।

तेलंगाना में कुल डिलीवरी का 62% से ज्यादा हिस्सा सिजेरियन है, जबकि आंध्र प्रदेश में यह 52% से अधिक और पश्चिम बंगाल में 44.5% है। जम्मू-कश्मीर की कहानी और भी अलग है, जहां प्राइवेट अस्पतालों में

सिजेरियन का रेट 90% तक पहुंच गया है और सरकारी अस्पतालों में भी यह लगभग 49% है। यही वजह है कि जम्मू-कश्मीर में होने वाली डिलीवरी में से आधी से ज्यादा सिजेरियन होती हैं। जहां देश का एक बड़ा हिस्सा जरूरत से ज्यादा सिजेरियन ऑपरेशन की समस्या से जूझ रहा है, वहीं बिहार, झारखंड और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में कहानी बिल्कुल उल्टी है। बिहार में कुल सिजेरियन डिलीवरी सिर्फ 13% हैं, जबकि झारखंड और मध्य प्रदेश में यह लगभग 16% है।

सालों-साल लगातार बढ़ रही है संख्या

भारत में पिछले दो दशकों में सिजेरियन जन्मों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। साल 2004-05 में देश में सिर्फ 8.5% सिजेरियन डिलीवरी होती थीं, जो 2015-16 में बढ़कर 17.2% हो गईं और फिर 2019-21 में यह आंकड़ा 21.5% तक पहुंच गया। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, अब देश में पैदा होने वाले चार में से एक से अधिक बच्चे (27.2%) सिजेरियन के जरिए दुनिया में आ रहे हैं। राहत की बात यह है कि सरकारी अस्पतालों में यह बढ़ोतरी काफी धीमी रही है। साल 2005-06 में सरकारी अस्पतालों में सिजेरियन रेट 15.2% था, जो अब मामूली बढ़त के साथ 16.9% पर पहुंचा है। हालांकि, दक्षिण भारत के राज्यों जैसे तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और तेलंगाना के सरकारी अस्पतालों में भी 34% से 48% तक सिजेरियन डिलीवरी हो रही हैं। असम और ओडिशा के प्राइवेट अस्पतालों में भले ही सिजेरियन का आंकड़ा बहुत ऊंचा क्रमशः 81.4% और 76.8% है, लेकिन इन राज्यों में कुल मिलाकर सिजेरियन की संख्या काफी कम है। इसका कारण यह है कि इन राज्यों में तीन-चौथाई से अधिक महिलाएं डिलीवरी के लिए सरकारी अस्पतालों में जाती हैं, जहां सिजेरियन का रेट काफी कम है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564